वर्ष 24, अंक 308, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 17 मई 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

व्यापार, तकनीक और हरित ऊर्जा सहयोग को मिली नई ताकत

ओलंपिक की मेजबानी, दुनिया के विकास का इंजन- पीएम

नीदरलैंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के यूरोपीय दौरे के दूसरे चरण में नीदरलैंड पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। एम्स्टर्डम हवाई अड्डे पर नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों, विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन, भारतीय राजदूत कुमार तुहिन तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका अभिनंदन किया। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते ने व्यापार और निवेश संबंधों को नई गति दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दौरा सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रवास के दौरान नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब येटेन से द्विपक्षीय वार्ता की तथा राजा विलेम अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से भी मुलाकात की। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाई देने का अवसर है। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक

पहुंच गया, जबकि नीदरलैंड भारत में चौथा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बन चुका है।
हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और नीदरलैंड के सांस्कृतिक तथा मानवीय संबंधों की विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में खेल संस्कृति बेहद मजबूत और उत्साहपूर्ण है। उन्होंने नीदरलैंड क्रिकेट टीम के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि भारतीय हॉकी की सफलता में डच प्रशिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि आगामी ओलंपिक खेलों में भारत और नीदरलैंड की साझेदारी और मजबूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहता है और विश्व स्तरीय विनिर्माण केंद्र बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और नीदरलैंड की मित्रता को प्रतीकात्मक रूप से भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार नीदरलैंड ट्यूलिप फूलों के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार भारत कमल के लिए जाना जाता है। दोनों देश वैश्विक मंच पर मिलकर महत्वपूर्ण परियोजनाओं और विकास के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल के चुनावों में तमिलनाडु, बंगाल और असम जैसे राज्यों में रिकॉर्ड मतदान यह दर्शाता है कि जनता विकास की राजनीति पर भरोसा जता रही है। उन्होंने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की भी प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने हल्के अंदाज में विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए झालमुडी का उल्लेख भी किया, जिससे सभा में मौजूद लोगों के बीच उत्साह का माहौल बन गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संस्कृति की जीवंतता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ कई सभ्यताएं समाप्त हो गईं, लेकिन भारत की सांस्कृतिक विविधता और परंपराएं आज भी जीवित हैं। यही शक्ति दुनिया भर में बसे भारतीय समुदाय को अपनी जड़ों से जोड़े रखती है।

नीदरलैंड प्रवास का सबसे विशेष पहलू वहां रहने वाले सूरीनामी हिंदुस्तानी समुदाय की उपस्थिति रही। लगभग डेढ़ शताब्दी पहले बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल से गए भारतीय मजदूरों की संतानों ने आज यूरोप में भारतीय संस्कृति की एक अनोखी पहचान बनाई है।

दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार का बड़ा फैसला, एयरलाइंस और यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली

दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने शनिवार (16 मई) को बड़ा फैसला लिया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैल्यू एडेड टैक्स को 25 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी करने का निर्णय लिया है. आर्थिक संकट के बीच रेखा गुप्ता सरकार के इस फैसले का बाद सभी यात्री और एयरलाइन कंपनियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा. एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "दिल्ली सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर मौजूदा 25 प्रतिशत वैल्यू-एडेड टैक्स को

घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला किया है. इस कदम से एयरलाइंस और आम यात्रियों, दोनों को फायदा होने की उम्मीद है." बयान में यह भी बताया गया कि यह फैसला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया।

दिल्ली में आज से घर-घर जाएंगे जनगणनाकर्मी

नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय जनगणना के लिए पहला चरण आज से शुरू होने जा रहा है. इसके लिए दिल्ली के 12 जिलों में 50 हजार से अधिक कर्मचारी तैनात किए गए हैं, जो लोगों के घर-घर जाकर हाउसिंग सर्वे में मौजूद 33 सवाल पूछेंगे. यह कार्य आज से शुरू होकर 14 जून तक चलेगा. इस तरह 30 दिवसीय विशेष अभियान के तहत राजधानी में मकानों को सूचीकरण और उनकी गणना का कार्य पूरा किया जाएगा।

'22 लाख बच्चों के साथ धोखा', नीट केस पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली

राहुल गांधी ने NEET-UG परीक्षा विवाद को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला बोला. राहुल गांधी ने कहा कि NEET के 22 लाख छात्रों के साथ धोखा हुआ है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं. उन्होंने मांग की कि धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत पद से हटाया जाए, नहीं तो इसकी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री खुद लें.

'22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ'- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'NEET के 22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ है. पर मोदी जी एक शब्द भी नहीं बोल रहे. धर्मेंद्र प्रधान जी को अभी हटाइए, या जवाबदेही खुद लीजिए

शुक्रवार को भी सरकार पर साधा था निशाना

इससे पहले शुक्रवार को भी राहुल गांधी ने NEET परीक्षा रद्द होने के बाद दो छात्रों की कथित आत्महत्या का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार को घेरा था. उन्होंने दावा किया था कि बीजेपी सरकार में परीक्षा घोटाले करने वालों को संरक्षण मिलता है, जबकि मेहनत करने वाले छात्र अपनी जान गंवा रहे हैं.

छात्रों की आत्महत्या का किया जिक्र

राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के 21 वर्षीय ऋतिक मिश्रा और गोवा के एक छात्र की कथित आत्महत्या का जिक्र किया।

दिल्ली में 2027 से सिर्फ ई-ऑटो का रजिस्ट्रेशन, वायु प्रदूषण को लेकर CAQM का बड़ा फैसला

नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बड़ा फैसला लिया है. दिल्ली-NCR में अब सिर्फ इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर ही चलेंगे. 2027 से दिल्ली में बंद होंगे नए CNG और डीजल ऑटो का रजिस्ट्रेशन बंद होने की दिशा में बढ़ा गया है. वायु प्रदूषण पर सख़्ती करते हुए ई-3 व्हीलर नीति लागू होगी. दिल्ली-NCR में L5 इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर ही रजिस्टर्ड होंगे.

CAQM ने कहा कि दिल्ली-ठउफ में इलेक्ट्रिक ऑटो और मालवाहक वाहनों को बढ़ावा दिया जाएगा. 2027 से दिल्ली और 2028 से HVD जिलों में सिर्फ ई-3 व्हीलर रजिस्ट्रेशन होगा।

खुद तय कर ले कि इतिहास या भूगोल का हिस्सा बनना है

सेना प्रमुख की पाक को चेतावनी

नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादियों को पनाह देने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि पड़ोसी देश को यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का हिस्सा। उनकी यह टिप्पणी भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। सेना प्रमुख (सीओएएस) नई

दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' द्वारा आयोजित एक सत्र में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी।

ऑपरेशन सिंदूर के 1 साल

सेना प्रमुख ने कहा कि यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने जो कहा है... वह यह है कि पाकिस्तान, यदि वह आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ अभियान चलाना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का। ऑपरेशन सिंदूर पिछले वर्ष 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में शुरू किया गया था।

नशे के सौदागरों की अब खैर नही- शाह

तमिलनाडु

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार 182 करोड़ रुपये मूल्य की कैप्टागन टैबलेट जब्त की हैं, जिसे उन्होंने "जिहादी ड्रग" बताया। शाह ने एक्स पर कहा कि एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया और ऑपरेशन रेजपिल के तहत पश्चिम एशिया के लिए भेजी जा रही इस खेप को जब्त किया गया। मुंद्रा बंदरगाह और दिल्ली के नेब सराय से नशीले पदार्थ जब्त किए गए। सीरियाई नागरिक ने इसे चाय की पत्तियों के डिब्बे में छिपा रखा था। मामले की जानकारी

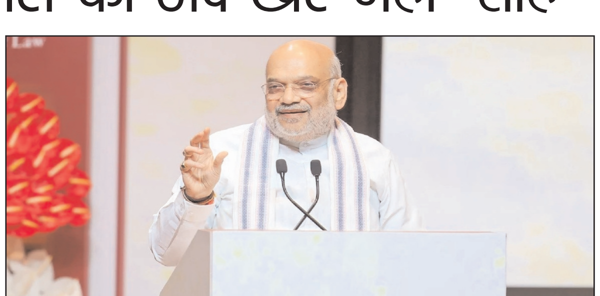

रखने वाले लोगों के अनुसार, मुंद्रा बंदरगाह पर यह ऊन की खेप के रूप में घोषित एक कंटेनर में आया था।

एक्स के बारे में जानकारी देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिबद्ध है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ऑपरेशन रेजपिल के माध्यम से हमारी एजेंसियों ने पहली बार कैप्टागन, जिसे तथाकथित जिहादी नशीले पदार्थ कहा जाता है, 182 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त की है।

सीएम विजय संभालेंगे गृह विभाग

तमिलनाडु में मंत्रियों को बांटे गए मंत्रालय

तमिलनाडु

तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सिफारिश पर राज्यपाल विश्वनाथ अर्लेकर ने राज्य के नए मंत्रिमंडल को विभागों का बंटवारा कर दिया है. लोक भवन की ओर से शनिवार (16 मई 2026) को जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने गृह और सार्वजनिक प्रशासन जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं.

विजय समेत 10 मंत्रियों के विभागों का हुआ फैसला

तमिलनाडु लोक भवन ने मुख्यमंत्री जोसेफ विजय समेत 10 मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया. मुख्यमंत्री जोसेफ विजय जन कल्याण, सामान्य प्रशासन, पुलिस, महिला एवं युवा कल्याण विभाग का कार्यभार संभालेंगे. एन आनंद को ग्रामीण विकास और जल संसाधन विभाग आवंटित किया गया. अधव अर्जुन लोक निर्माण एवं खेल विकास विभाग संभालेंगे. के. ए. सेंगोट्टियन को वित्त विभाग की और के. जी. अरुणराज को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई. पी. वेंकटरमनन को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और आर. निर्मलकुमार को ऊर्जा एवं विधि विभाग की जिम्मेदारी मिली है.

मंत्री विभाग

जोसेफ विजय (मुख्यमंत्री) सार्वजनिक प्रशासन, भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा , जिला राजस्व अधिकारी, पुलिस, गृह मंत्रालय, विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन, महिला कल्याण, युवा कल्याण, बाल कल्याण, बुजुर्ग और दिव्यांग जन कल्याण, नगर निगम प्रशासन और शहरी एवं जल आपूर्ति एन. आनंद ग्रामीण विकास, पंचायत और पंचायत संघ, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, ग्रामीण ऋणग्रस्तता और सिंचाई और लघु सिंचाई सहित सिंचाई परियोजनाएं आधाव अजुर्ना।

भोजशाला में गूंजे शंख और हनुमान चालीसा... हाई कोर्ट के फैसले के बाद भक्तों ने की विशेष पूजा-आरती

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को 'सरस्वती मंदिर' घोषित किए जाने के ठीक एक दिन बाद, शनिवार को वहाँ का माहौल पूरी तरह भक्तिमय और भावुक नजर आया। वर्षों का इंतजार खत्म होने की खुशी में बड़ी संख्या में हिंदू श्रद्धालु परिसर में एकत्र हुए और बिना किसी प्रतिबंध के मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना, आरती और भजन-कीर्तन किया। इस दौरान पूरे परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे, लेकिन भक्तों के उत्साह और जश्न में कोई कमी नहीं दिखी। भोजशाला परिसर का माहौल भावुक हो गया, क्योंकि भक्तों ने प्रार्थनाओं, भजनों और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ इस फैसले का जश्न मनाया। भोज उत्सव समिति के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां परिसर के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

भक्तों ने प्रार्थनाओं के साथ फैसले का जश्न मनाया

अदालत के फैसले के बाद इस स्थल पर बिना किसी रोक-टोक के पूजा-अर्चना कर पाने पर कई भक्तों ने खुशी जाहिर की। कुछ भक्तों ने कहा कि ऐसे पल को देखने के लिए उन्होंने वर्षों तक इंतजार किया था।

गोरखपुर को मिलेगा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

सीएम योगी ने किया शिलान्यास

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 393 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के साथ ही खेल और खिलाड़ियों के हित मे एक नई और बड़ी घोषणा भी कर दी. उन्होंने ऐलान किया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के बगल में रिजर्व कराई गई 60 एकड़ भूमि पर विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा. कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी मौजूद रहे.

सीएम योगी ने कहा कि यहां 46 एकड़ में 30 हजार दर्शकों की क्षमता का इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तो बनेगा ही, इसके बगल की 60 एकड़ भूमि पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बनाएंगे. इसमें हर तरह के इनडोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. वहां हॉकी और अन्य आउटडोर गेम्स भी हो सकेंगे. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने से इस क्षेत्र में होटल, रेस्त्रां, मार्केट की नई श्रृंखला भी तैयार होगी और बड़ी संख्या में नए रोजगार भी सृजित होंगे.

लोककल्याण की दृष्टि से होना चाहिए सरकारी भूमि का उपयोग

मुख्यमंत्री ने ताल नदोर क्षेत्र में हो रहे विकासपरक बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि आज से पांच वर्ष पहले यह क्षेत्र बंजर पड़ा था. यह क्षेत्र उपेक्षित था, जिसकी मर्जी होती वह जमीन कब्जा कर लेता था. अब यहां की जमीन कब्जामुक्त

है. साथ ही डबल इंजन सरकार इस भूमि पर नौजवानों के भविष्य को तराशने का एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवा रही है. उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को युवाओं और भावी पीढ़ी के सपनों को साकार करने के लिए उत्कृष्ट उपहार बताया है.

सीएम योगी ने कहा कि सरकार के पास भूमि होगी तो उसका उपयोग लोककल्याण के लिए होगा. अगर सरकार की भूमि पर कोई कब्जा करेगा तो वह व्यक्ति विशेष अपने तरीके से दुरुपयोग करेगा, इसलिए सरकारी भूमि का उपयोग लोककल्याण कार्य और विकास की परियोजना की दृष्टि से होना चाहिए. उन्होंने कहा कि इसी विजन से ताल नदोर में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना भी की जा रही है.

जाति, क्षेत्र के नाम पर बांटने वाले नहीं हो सकते जनता के हितैषी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश को माफियामुक्त, गुंडा मुक्त, दंगामुक्त, कर्फ्यूमुक्त बनाया है. इससे प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

मेजा के बलुहा टौंस नदी में रील बनाने के दौरान तीन युवकों की डूबने से मौत, एक को बचाया

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा थाना क्षेत्र के बलुहा गांव स्थित टौंस नदी में शनिवार को स्नान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। टौंस नदी में नहाने गए चार युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, जिससे घाट पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे और ग्रामीण तत्काल नदी में कूद पड़े और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान काफी मशक्कत के बाद एक युवक पीयूष(36) को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि तीन अन्य युवकों को बाहर निकालने के पूर्व ही उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान नैनी एडीए निवासी सनी (12), आयुष (8) और आदित्य (25) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक मोबाइल से रील बनाने के

बलुहा स्थित टौंस नदी में शनिवार को दोपहर चारों युवक गए थे नहाने चार में पीयूष नामक युवक को स्थानीय लोगों द्वारा बचाया गया, रील बनाने के दौरान घाट पर हुआ बड़ा हादसा पुलिस ने घाट से रील बनाने के उपकरण व मैगी के पैकेट किया बरामद

हादसे की जानकारी होते ही एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय, थाना प्रभारी दीनदयाल सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचे तीनों शवों को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेजा,पूरे गांव में पसरा मातम परिजनों का हाल बेहाल

दौरान अनजाने में गहरे पानी की ओर बढ़ गए, जिससे संतुलन बिगड़ गया और यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना के बाद घाट पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और पूरे

क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की। इस संबंध में थाना प्रभारी मेजा दीनदयाल सिंह ने बताया कि तीनों युवकों के शवों की शिनाख्त हो चुकी है तथा पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि घटनास्थल से युवकों द्वारा रील बनाने में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद हुए हैं तथा मौके पर मैगी बनाए जाने के भी साक्ष्य मिले हैं। घटना की जानकारी पर एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। हादसे की जानकारी होते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा। गौरतलब है इस हृदय विदारक घटना से पूरे गांव में जहां मातम का माहौल है वहीं इस दर्दनाक हादसे से इलाके लोग भी स्तब्ध हैं।

प्रमासपा का रैली व जनसभा 20 मई को

सहसों। प्रगतिशील मानव समाज पाटी के तत्वावधान में पाटी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की एक बैठक शनिवार को सहसों के पाटी कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में पाटी कार्यकर्ताओं को आवश्यक जानकारी देते हुए राष्ट्रीय सचिव मौजी लाल बिंद ने बताया कि 20 मई बुधवार को फूलपुर के बौड़ई कठौता में पाटी की रैली एवं जनसभा होगी। रैली को पाटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद बिंद संबोधित करेंगे। रैली व जनसभा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है।

बैठक में प्रमुख रूप से मदन चंद्र बिंद, राकेश जयसवाल, जगदीश बिंद, मोहनलाल बिंद, कुंवर बिंद, बी पी परवाना, गिरधारी लाल सरोज, राम अचल बिंद, महेंद्र बिंद, अमर बहादुर, राज बहादुर बिंद, रामधनी केवट, रामबाबू बिंद, हरि शंकर बिंद, बसंत लाल विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

आंधी-तूफान पीड़ित परिवारों से मिले सांसद प्रवीण पटेल, सौंपे चार-चार लाख के सहायता चेक

सहसों। फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने शनिवार को क्षेत्र के बगई बदनामा और कौड़रु गांव पहुंचकर बीते बुधवार आए तेज आंधी-तूफान में जान गंवाने वाले युवकों के परिजनों से मुलाकात की। सांसद ने शोक संतप्त परिवारों को ढांढस बंधाते हुए दैवीय आपदा राहत के तहत चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि के चेक सौंपे। जानकारी के अनुसार बदनामा गांव के मृतक विनय प्रताप के पिता अरविंद प्रताप तथा कौड़रु गांव के मृतक आरूष पटेल के पिता दुर्विजय कुमार को सांसद द्वारा राहत राशि का चेक प्रदान किया गया। इस दौरान सांसद ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दैवीय आपदाओं को रोक पाना संभव नहीं है, लेकिन इस कठिन समय में वह हर पल उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि परिवार को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर वे हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। सांसद के इस संवेदनशील व्यवहार से पीड़ित परिवारों को भावनात्मक संबल मिला। इस अवसर पर टीएन सिंह, शिव नारायण सिंह ह्यगप्पूह्न, प्रताप बहादुर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अपर जिला सहकारी अधिकारी करछना की अगुवाई में वसूली टीम का हुआ गठन

जसरा। सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड करछना/जसरा की वसूली अभियान को दृष्टिगत रखते हुए अपर जिला सहकारी अधिकारी करछना प्रदीप कुमार पाठक की अगुवाई में वसूली टीम का गठन किया गया। जिसमें बैंक के शाखा प्रबंधक संजीव कुमार सिंह को बताया गया कि फील्ड आफीसर और अमीनों के साथ टीम को प्रत्येक बकायेदारों के घर पर जाकर वसूली की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। संबंधित शाखा के सहकारी कुर्क अमीन मिथिलेश कुमार द्विवेदी को कहा गया है कि क्षेत्र के सभी छोटे व बड़े बकायेदारों से सम्पर्क कर उनसे वसूली का लक्ष्य समय के अन्तर्गत पूरा करें। वसूली अभियान में शिथिलता बरतने वाले अधिकारी/कमर्चारियों पर विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। ऐसी परिस्थिति में घर घर जाकर छोटे व बड़े बकायेदारों से तगादा कर वसूली अभियान को सफल बनाएं।

केसरवानी वैश्य समाज की महिलाओं ने बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए चलाई मुहिम

अखंड भारत संदेश

जसरा। केसरवानी वैश्य समाज की महिलाओं ने बालिकाओं को शिक्षित करने के साथ उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का मुहिम चलाया गया। साथ ही कहा गया कि आने वाली पीढ़ी को अर्थ से ज्यादा शिक्षा से मजबूत करना अतिआवश्यक होगा। केसरवानी वैश्य महिला सभा की एक बैठक जसरा बाजार में रश्मि केसरवानी के आवास पर हुई। जिसमें महिलाओं ने बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ करके एक मजबूत शिक्षित समाज के निर्माण का संकल्प लिया। बैठक में उपस्थित महिलाओं ने महिला समाज के उत्थान के लिए अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। जिसमें निर्णय लिया गया कि निर्धन बालिकाओं के शिक्षा के लिए शीघ्र ही एक अतिरिक्त कोष की

व्यवस्था किया जाएगा। इस अवसर पर समाज की उम्र दराज और शिक्षित महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी शिखा केसरवानी ने किया। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोष केसरवानी , पुष्पा देवी पूर्व प्रधान, फूल कली, विनीता केसरवानी, गगन केसरवानी , गीता देवी, तारा देवी, विद्या देवी, मालती केसरवानी , शिल्पा , प्रीति, पूनम, पूजा, शान्वी और अंकिता आदि लोग मौजूद रहे।

शादी के बीच जमीन पर कब्जे का आरोप, पीड़ित ने एसडीएम से लगाई गुहार

करछना। तहसील क्षेत्र के घोडेडीह निवासी शिव बहादुर ने भू-माफियाओं पर पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जे की कोशिश और परिवार को धमकाने का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी करछना से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। शिव बहादुर के अनुसार उनकी जमीन सर, घोडेडीह और हर्रई गांव में स्थित है, जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि पांच मई को उनके घर बेटी की शादी थी और छह मई को विदाई के दौरान पूरा परिवार व्यस्त था। इसी बीच कुछ लोग 7-8 अज्ञात व्यक्तियों के साथ उनकी जमीन पर पहुंच गए और वहां बोई गई चरी, साग व सब्जियों को नुकसान पहुंचाते हुए जंजीर से पैमाइश करने लगे।पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपितों ने परिवार की महिलाओं और बच्चों को जान से मारने तथा फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। भय के कारण परिवार के लोग कुछ बोल नहीं सके।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विपक्षी दबंग किस्म के लोग हैं और उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग करने की फिराक में हैं। पीड़ित ने मौके पर राजस्व व पुलिस टीम भेजकर जांच कराने, अवैध कब्जा रुकवाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हाईवे पर खड़े टैंकर से भिड़ा जूता लदा ट्रक, चालक की मौत

अखंड भारत संदेश

उतरांव। प्रयागराज के नेशनल हाईवे पर शुक्रवार देर रात खड़े पानी के टैंकर से जूता लदा ट्रक टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार एटा निवासी बागेश यादव (40) ट्रक में जूता लादकर दिल्ली जा रहे थे। जलालपुर स्थित जियो पेट्रोल पंप के पास हाईवे किनारे एक पानी का टैंकर खड़ा था। इसी दौरान चालक को झपकी आ गई, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर टैंकर से जा भिड़ा। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का

अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें फंस गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं उत्तर प्रदेश ड्राइवर महासंगठन के राज्य कोषाध्यक्ष शकील अहमद भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमएल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने 12वीं की परीक्षा में शत प्रतिशत अंक अर्जित कर रचा इतिहास

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा क्षेत्र के बगहा सिरसा स्थित एमएल पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल के होनहार छात्र छात्राओं ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत अंक अर्जित कर न केवल इतिहास रचा है,बल्कि परिवार और स्कूल के साथ साथ क्षेत्र का गौरव भी बढ़ाया है। बच्चों की इस बड़ी सफलता को लेकर एमएल पब्लिक स्कूल में जहां जश्न का माहौल है वहीं स्कूल के डायरेक्टर दुर्गा प्रसाद गुप्ता और प्रबंधक वेद प्रकाश गुप्ता ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है। उल्लेखनीय है कि विकास खंड उरुवा के बगहा सिरसा स्थित सर्वाधिक लोकप्रिय उक्त स्कूल में शिक्षारत कक्षा 12वीं के प्रतिभाशाली होनहार छात्र रहे शाश्वत कुशवाहा 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे क्लास में जहां टॉप किया है वहीं स्कूल के छात्र संकल्प पटेल 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय, और सक्षम यादव 91

94% - SHASHWAT KUSHWAHA | 93% - SANKALP PATEL | 91% - SAKSHAM YADAV | 89% - ALOK PATEL | 85% - SIFA KHATOON | 83% - YASHITA SRIVASTAVA | 81% - PRATIKSHA MISHRA | 83% - SAFIQUE NOOR | 82% - TANAV SHUKLA

स्कूल के सबसे होनहार छात्र शाश्वत कुशवाहा ने कक्षा में किया टॉप, बच्चों की इस उपलब्धि पर बेहद खुश अभिभावकों ने स्कूल के डायरेक्टर दुर्गा प्रसाद, प्रबंधक वेद प्रकाश,प्रिंसिपल विपिन शुक्ला और शिक्षक शिक्षिकाओं का जताया आभार कहा नौनिहालों की सफलता के पीछे रहा स्कूल प्रबंध तंत्र का उत्कृष्ट योगदान और मार्गदर्शन

बोले स्कूल के डायरेक्टर दुर्गा प्रसाद गुप्ता और प्रबंधक वेद प्रकाश गुप्ता ऐसे होनहार बच्चों पर हमें है गर्व, योग्य शिक्षक और शिक्षिकाओं के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में बढ़ाई है स्कूल की शान

प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार आलोक पटेल 89 प्रतिशत, शिफा खातून 85 प्रतिशत, शफीक नूर और यसिता श्रीवास्तव क्रमशः 83 प्रतिशत,प्रज्ञाशील मौर्या 89 प्रतिशत, तनव शुक्ला 82 प्रतिशत तथा प्रतीक्षा मिश्रा 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परचम लहराया है। बता दें कि एमएल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक शिक्षिकाओं के कुशल नेतृत्व और कुशल मार्गदर्शन में शत प्रतिशत अंक पाने वाले बच्चों के इस उत्कृष्ट योगदान से बेहद प्रसन्न और खुशी से गदगद उनके परिजनों के खुशी का ठिकाना नहीं है। सभी लोग घर में जश्न मनाते हुए सगे संबंधियों का मुंह मीठा करा रहे हैं। गौरतलब है कि अपने नन्हे होनहार बच्चों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों ने स्कूल के प्रधानाचार्या विपिन शुक्ला, शिक्षक लवलेश यादव, गौरव पांडेय, अश्वनी, मनोज, अमित पटेल, अनुज यादव, सविता शुक्ला,इति सिंह, मीनाक्षी यादव, रीना यादव,पूजा त्रिपाठी, अविनाश, नवदीप, रिशु, कमलेश शर्मा, मोहन मिश्रा, विपुल यादव, विजय जैसल तथा आकाश गुप्ता का आभार जताया और कहा कि उनके बच्चों की इस बड़ी सफलता के पीछे स्कूल प्रबंध तंत्र, प्राचार्य और शिक्षक शिक्षिकाओं का सर्वोच्च योगदान रहा है। फिलहाल कड़ी मेहनत और लगन की बदौलत स्कूल में परचम लहराने वाले छात्र छात्राओं के सराहनीय प्रदर्शन पर डायरेक्टर दुर्गा प्रसाद गुप्ता और प्रबंधक वेद प्रकाश गुप्ता ने सभी प्रतिभा शाली बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम थरवई के 12वीं के छात्रों ने लहराया परचम

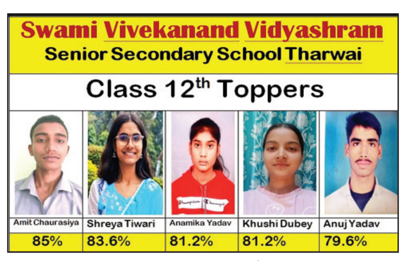

अखंड भारत संदेश

थरवई। स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल थरवई के कक्षा 12वीं के छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय द्वारा जारी परिणाम के अनुसार कक्षा 12वीं के पांच मेधावी छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर टॉपर्स की सूची में स्थान बनाया है। अमित चौरसिया ने 85% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं श्रेया तिवारी 83.6% अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। अनामिका यादव और खुशी दुबे ने संयुक्त रूप से 81.2% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। अनुज यादव 79.6% अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक विजय कुमार तिवारी ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय भविष्य में भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय के प्रिंसिपल दिनेश कुमार पाण्डेय ने सभी टॉपर्स की सराहना करते हुए कहा कि इन बच्चों ने अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का काम किया है। उन्होंने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विद्यालय का प्रयास रहेगा कि हर बच्चा अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। सफल छात्रों का मुंह मीठा कराया गया। अभिभावकों ने भी विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट में स्प्रिंगर पब्लिक स्कूल के बच्चों का रहा दबदबा

थरवई। सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में स्प्रिंगर पब्लिक स्कूल, 40 नं. गोमती फाफामऊ के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा श्रेया सिंह ने 97% अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यालय के निदेशक संजय शुक्ला ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा, बच्चों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता मिली है। श्रेया सिंह की उपलब्धि सभी छात्रों के लिए प्रेरणा का श्रोत है और यही बच्चे एक देश भविष्य कहलायेंगे। इसी मौके पर प्रधानाचार्य नीरज मिश्र ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय आगे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। बच्चों की इस सफलता से विद्यालय, माता - पिता व साथ ही क्षेत्र का भी नाम गर्व से ऊँचा कर दिया।

श्रेया सिंह 97% के साथ बनी स्कूल टॉपर

हाईकोर्ट ने मेजा के अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर को दी बड़ी राहत, बताया निर्दोष

मेजा। सीएचसी मेजा में तैनात अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। एक व्यक्ति द्वारा लगाए गए आरोपों को कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में खारिज कर दिया है।इस संबंध में जानकारी के अनुसार सीएचसी मेजा के अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर पर निजी स्वार्थ साधने आशा बहुओं को बरगलाकर तहसील में प्रदर्शन कराने तथा सरकारी कार्यों की अनदेखी करते हुए पद के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगा कर कथित एक व्यक्ति द्वारा उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की गई थी। जिस पर गुरुवार को न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ (डिवीजन बेंच) में सुनवाई हुई। कोर्ट ने प्रस्तुत साक्ष्यों और जांच रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद पाया कि आरोपों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामले

कहा - आरोपों के समर्थन में नहीं मिले कोई ठोस साक्ष्य

मुझे देश की न्यायपालिका पर था अटूट विश्वास हुई सत्य की जीत - शमीम अख्तर

का निस्तारण गुण दोष के आधार पर किया गया है और लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं होते हैं। इसके साथ ही 14 मई 2026 को याचिका को खारिज कर दिया गया। बता दें कि न्यायालय के इस फैसले के बाद डॉ. शमीम अख्तर को आरोपों से पूरी राहत मिल गई है। डॉ. शमीम अख्तर ने मा. न्यायालय के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था और आज सत्य की विजय ने मेरे इस भरोसे और विश्वास को और भी मजबूती प्रदान किया है। उन्होंने कहा मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद थे। आत्मविश्वास से भरे अधीक्षक मेजा ने कहा कि मैं हमेशा अपने दायित्वों और जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और मरीजों की सेवा करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गौरतलब है कि न्यायालय के इस निर्णय के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी जहां राहत की सांस ली है वहीं अस्पताल कर्मियों ने भी कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए अध्यक्ष शमीम अख्तर को बधाई दिया है।

मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना... दिल के अरमां आंसुओं में बह गए...

सैकड़ों वर वधू विवाह हेतु ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन कराकर प्रोग्राम का करते रहे इंतजार

अखंड भारत संदेश

पसना, प्रयागराज। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रयागराज में अब मजाक बन कर रह गई है। जिले के कोरांव ब्लॉक ने दरियादिली दिखाई दो आयोजन किए कई बेटियों के हाथ पीले तो हुए किंतु पर्याप्त बजट न मिलने से 26 जनवरी से ऑन लाइन हुए आवेदन मार्च,अप्रैल, मई माह के कार्यक्रम के इंतजार में वैवाहिक कार्यक्रम ही नहीं किया गया। किंतु बजट आने के बावजूद भी समाज कल्याण विभाग ने आयोजन रोक रखा है जिससे गरीब श्रमिक किसानों की बेटियों के हाथ पीले नहीं हो सके।

फिलहाल आयोजन के इंतजार में मई माह भी समाप्ति की ओर है किंतु विवाह कार्यक्रम की डेट नहीं मिली। जिस कारण काफी वर वधुओं

श्रम विभाग हो या समाज कल्याण विभाग बेटियों के हाथ पीले कराने से कतरा रहे,सरकार मौन

मिर्जापुर में 384 जोड़ों की हुई शादियां, प्रयागराज फिसड्डी

के विवाह रजिस्ट्रेशन के बाद भी घर पर ही कर्ज आदि ले कर बेटियों की बिदाई की। लेकिन गरीब परिवार की सरकारी सहायता की कमी बहुत खल गई। उनके दिल के अरमां आंसुओं में बह गए। लोगों को अभी उम्मीद है कि मई माह में वैवाहिक कार्यक्रम होते हैं तो काफी गरीबों के बेटियों की सरकारी सहायता से शादियां निपट जाती। लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी शादी ब्याह के लगन बिताने के बाद आयोजन करेंगे तो लाभार्थियों की काफी संख्या घट जाएगी। किंतु सरकार की मंशा और गरीबों का हित निरर्थक हो जाएगा। दरअसल जिले का कोरांव विधान सभा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सीमा पर हैं और श्रमिक दलित बाहुल्य क्षेत्र हैं जिससे आवेदक ज्यादा हैं। किंतुप्रशाशन कान में तेल डाले बैठा है। यह बात क्षेत्रीय विधायक कोरांव को भी श्रमिक प्रतिनिधियों ने अवगत कराया है। इस बाबत ए डी ओ समाज कल्याण कोरांव आरिफ खान ने बताया कार्यक्रम होना अब मुश्किल है।

समाज कल्याण विभाग से लाभ

प्रत्येक रजिस्ट्रेशन करता कन्या को सरकार तो एक लाख देने की वाहवाही लेती है। किंतु मिलता है सिर्फ 25 हजार का समान और कन्या के खाते में 60 हजार रुपए शेष 15 हजार रुपए कार्यक्रम आयोजन के लिए काट लिया जाता है। किंतु बड़े आसानी प्रपत्रों से इस विभाग में आवेदन हो जाता है।

श्रम विभाग द्वारा सहायता राशि

श्रम विभाग के बीओसी से पंजीकृत श्रम कार्ड धारकों की बेटियों के शादी के लिए काफी पापड़ बेलना पड़ता है। इस लिए उक्त बोर्ड से आवेदकों की रुचि समाप्त हो गई है। कन्या विवाह योजना के लिए आवेदक का श्रम कार्ड, आधार, पासबुक, परिवार रजिस्टर नकल, फैमिली आईडी,जन्म प्रमाण पत्र,और विवाह प्रमाण पत्र लगाना होता है। जिसमें श्रम कार्ड का रिनिवल, मेंटेन, करना विवाह प्रमाण पत्र के लिए करीब तीन हजार रुपया व्यय आता है वह भी आसानी से नहीं बन पा रहा। जिससे इस विभाग से लाभ नहीं ले पा रहे श्रमिक।

क्या बोले श्रमिक प्रतिनिधि

यदि श्रम विभाग में भी समाज कल्याण विभाग की तरह पेपर्स लगे तो श्रमिकों की बेटियों के आसानी से विवाह योजना के लाभ मिल सकेगा,अन्यथा बोर्ड का लाभ टिटिममों के कारण नहीं ले पा रहा। इसी तरह समाज कल्याण विभाग को भी घर पर सम्पन्न विवाह में शादी कार्ड लगा कर आवेदन करने पर मात्र मिलने वाली 20 हजार की राशि 51 हजार होनी चाहिए। जिलाधिकारी प्रयागराज और मुख्य मंत्री महोदय से आग्रह है कि तत्काल ऑन लाइन कर चुके आवेदनों का मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन जिले अथवा ब्लॉक मुख्यालयों पर आयोजित कर लाभान्वित किया जाय।

प्रांतीय मंत्री हिंद मजदूर सभा उत्तर प्रदेश एवं सीबू प्रांतीय उपाध्यक्ष यूपी प्रयागराज,ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव

समाधान दिवस में 430 शिकायतें पहुंची, डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

अखंड भारत संदेश

सोरांव प्रयागराज। तहसील सोरांव में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अधिकारियों को जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरतने की चेतावनी देते हुए मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 430 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से नौ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सबसे अधिक 301 शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रहीं। इसके अलावा पुलिस विभाग की 69, विकास विभाग की 23 और अन्य विभागों की 37 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों से शिकायतकर्ताओं का फीडबैक लेने और उन्हें समाधान से संतुष्ट करने को भी कहा। साथ ही वरासत, अवैध कब्जा समेत अन्य लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने तहसील परिसर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों को पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। पोषण अभियान के तहत जिलाधिकारी ने दो महिलाओं खुशबू और काजल सोनी की गोदभराई कराई, जबकि तीन बच्चों ऋषभ, रानी और साकेत का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों की लेखपालवार सूची तैयार की जाए और जिन क्षेत्रों से अधिक शिकायतें मिली हैं, वहां के संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण लिया जाए। साथ ही सभी लंबित मामलों को तय समय सीमा के भीतर निस्तारित करने को कहा। इस मौके पर उपजिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी जीपी कुशवाहा, तहसीलदार बृजेश कुमार समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

समाधान दिवस की शिकायतों में लापरवाही पर आठ कर्मियों पर कार्रवाई

प्रयागराज। तहसील सोरांव में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आठ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इनमें लेखपालों को प्रतिकूल प्रविष्टि, चेतावनी और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने पिछले तहसील दिवस में निस्तारित किए गए मामलों की गुणवत्ता जांच कराई। इसके तहत 51 मामलों का विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों से रैंडम परीक्षण कराया गया। जांच के दौरान आठ मामलों में शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक फीडबैक मिला। जिलाधिकारी ने सतही आख्या प्रस्तुत करने और शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही बरतने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके तहत राजस्व लेखपाल रमेश कुमार पटेल और ज्ञानेन्द्र बहादुर सिंह को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। वहीं लेखपाल शारदा प्रसाद और अवर अभियंता उपखंड अधिकारी शैलेन्द्र यादव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा लेखपाल विकास सिंह, धनंजय सिंह, सुधीर कुमार पाण्डेय और ग्राम विकास अधिकारी ज्योति सिंह को चेतावनी दी गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतों का समाधान गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

15 यूपी बटालियन के 199 कैडेट्स को मिला एनसीसी ए प्रमाण पत्र

प्रयागराज। 15 यूपी बटालियन एनसीसी प्रयागराज के 199 कैडेट्स ने प्रशिक्षण और परीक्षा सफलतापूर्वक पूरा कर एनसीसी का ह्यएह्न प्रमाण पत्र हासिल किया। प्रमाण पत्र मिलने पर कैडेट्स में उत्साह का माहौल रहा।एनसीसी की ओर से आयोजित प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स ने ड्रिल, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद आयोजित परीक्षा में सफल होने पर उन्हें ह्यएह्न प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बटालियन की कमान अधिकारी कर्नल ऋतु श्रीवास्तव ने सभी सफल कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी का ह्यएह्न प्रमाण पत्र युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही उन्होंने एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों, प्रशिक्षण स्टाफ और टीमों के योगदान की सराहना की। कैडेट्स की सफलता पर अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों ने भी खुशी जताई। इस दौरान कैडेट्स ने राष्ट्रसेवा और एनसीसी की परंपराओं व मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रयागराज समेत पांच शहरों में गठित हुई जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल की पीठें, हिंदी में भी होगी सुनवाई

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश के व्यापारियों, करदाताओं और अधिवक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल की प्रयागराज समेत पांच शहरों में पीठों का गठन कर दिया गया है। अब ट्रिब्यूनल में हिंदी भाषा में दस्तावेज भी स्वीकार किए जाएंगे, जिससे छोटे और मध्यम व्यापारियों को काफी सुविधा मिलेगी। प्रदेश में प्रयागराज, लखनऊ, गाजियाबाद, वाराणसी और आगरा में ट्रिब्यूनल की पीठें स्थापित की गई हैं। कर एवं वित्त सलाहकार अधिवक्ता विवेक कुमार शुक्ल ने बताया कि लंबे समय से ट्रिब्यूनल के संचालन और हिंदी भाषा को मान्यता दिए जाने की मांग की जा रही थी। अब यह व्यवस्था लागू होने से व्यापारियों और अधिवक्ताओं को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज पीठ में न्यायिक सदस्य और तकनीकी सदस्य नियमित रूप से मामलों की सुनवाई करेंगे। मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए सुनवाई प्रक्रिया को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया है। साथ ही हाइब्रिड और वर्चुअल सुनवाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे दूरदराज के पक्षकारों को लाभ मिलेगा। अधिवक्ता विवेक कुमार शुक्ल ने कहा कि अब तक अंग्रेजी में दस्तावेज प्रस्तुत करना छोटे व्यापारियों के लिए कठिनाई का कारण बनता था, क्योंकि अधिकांश कारोबारी अपने अभिलेख हिंदी में रखते हैं। हिंदी में दस्तावेज स्वीकार होने से अब वे अपनी बात अधिक सहजता और स्पष्टता से रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रिब्यूनल की पीठों के गठन से उच्च न्यायालयों पर बढ़ रहे कर संबंधी मामलों का दबाव भी कम होगा और विवादों का त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। इसे न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ और व्यापारी हितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एसआरएन अस्पताल का एडीएम ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (आपूर्ति) विजय शर्मा ने शनिवार सुबह स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल की नई बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों, ओपीडी और जांच केंद्रों का जायजा लेकर मरीजों से बातचीत की और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने ट्रामा सेंटर, गैस्ट्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी, सेंट्रल पैथोलॉजी, ब्लड बैंक, रजिस्ट्रेशन काउंटर, औषधि वितरण केंद्र और कैश काउंटर समेत कई विभागों का निरीक्षण किया। सभी जगह डॉक्टर और कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद मिले तथा मरीजों का उपचार होता पाया गया। अस्पताल में भर्ती मरीजों ने बताया कि उन्हें सुबह नाश्ता और दोपहर व रात में भोजन मिल रहा है। मरीजों के साथ एक तीमारदार को भी निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों ने यह भी बताया कि वरिष्ठ डॉक्टर नियमित रूप से वार्डों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य की जानकारी लेते हैं। निरीक्षण में ड्यूटी डिस्प्ले चार्ट सही तरीके से संचालित नहीं मिला। वार्डों और ओपीडी में डॉक्टरों के रोस्टर तो लगाए गए थे, लेकिन ड्यूटी का समय अंकित नहीं था। इस पर एडीएम ने व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने अस्पताल की पेयजल व्यवस्था, स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की उपलब्धता का भी जायजा लिया। नई बिल्डिंग में मरीजों के लिए पर्याप्त संख्या में स्ट्रेचर और व्हीलचेयर उपलब्ध मिलीं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सुबह आठ बजे से शाम आठ बजे तक ब्लड कलेक्शन किया जाता है और जांच रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराई जाती है। अस्पताल प्रशासन की ओर से बताया गया कि भर्ती मरीजों को बेड तक निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। ओपीडी मरीजों के लिए अलग औषधि वितरण केंद्र संचालित हैं। आयुष्मान कार्ड धारकों को भी मुफ्त इलाज और दवाएं दी जा रही हैं। हालांकि आपात स्थिति में कुछ दवाएं स्टॉक में न होने पर बाहर से मंगानी पड़ती हैं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहन भी मिले। कर्मचारियों ने बताया कि डॉक्टरों और स्टाफ के लिए पार्किंग जोन बनाए गए हैं, लेकिन मरीजों और बाहरी वाहनों के कारण समस्या बनी रहती है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अस्पताल प्रशासन और पुलिस की निगरानी जारी है।

एसआरएन अस्पताल में हुई युवक की मौत की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में भर्ती एक युवक की मौत के मामले में प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। जांच के लिए अपर नगर मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जानकारी के अनुसार सोहबतियाबाग निवासी पप्पू सोनकर की 4 फरवरी 2026 को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी (नगर) ने इसकी मजिस्ट्रियल जांच कराने का निर्णय लिया है।अपर नगर मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि घटना से संबंधित कोई भी व्यक्ति 19 मई 2026 को उनके कार्यालय में उपस्थित होकर अपना बयान या लिखित अभिकथन प्रस्तुत कर सकता है। प्रशासन की ओर से लोगों से जांच में सहयोग करने की अपील की गई है।

वट सावित्री पूजा अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने पति के दीर्घायु के लिए की पूजा अर्चना

जसरा। वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा अचर्ना कर पति की दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर दजर्नों महिलाएं उपस्थित रहीं। ज्येष्ठ माह के अमावस्या के दिन वट सावित्री व्रत पर्व की परंपरा सदियों से चली आ रही है। मान्यता है कि यह व्रत सावित्री सत्यवान की अमर कथा पर आधारित है और उसे याद दिलाया करती है।शनिवार को सुबह से ही भारी संख्या में सुहागिन महिलाएं बरगद के पेड़ के नीचे पहुंचने लगीं। जल, अक्षत, रोली,फल फूल आदि चढ़ाने के बाद कच्चे सूत को बरगद के तने पर चारों ओर लपेटकर परिक्रमा कर अखंड सौभाग्यवती होने की प्राथर्ना की। इस अवसर पर जसरा बाजार की सविता केसरवानी, डाली केसरवानी, पिंकी केसरवानी, ऋचा कसरवानी, बेबी केसरवानी, लता केसरवानी, प्रेमा केसरवानी सहित दजर्नों महिलाएं उपस्थित रही।

दिव्यांग छात्रों के लिए नई पहल, शिक्षा और रोजगार से जोड़ने पर जोर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अनुभव वीथिका एवं प्रदशनी में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और रोजगार को लेकर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि ने प्रदशनी का अवलोकन करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों की शैक्षणिक और सामान्य जानकारी बढ़ाने के लिए इस तरह की पहल बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदशनी के बाद आयोजित समन्वय बैठक में जिला प्रशासन, विभिन्न विभागों के अधिकारियों और भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा और रोजगार से जोड़ने के लिए कई सुझाव रखे गए। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से वाराणसी में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने की तैयारी की जा रही है, ताकि दिव्यांगजन अपने नजदीकी क्षेत्र में ही आसानी से शिक्षा प्राप्त कर सकें। साथ ही मंडल स्तर पर काउंसलिंग सेंटर खोलने और छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। बैठक में श्रवण बाधित बच्चों की शिक्षा से जुड़ी समस्याओं पर भी मंथन किया गया। बताया गया कि अधिकांश सरकारी विद्यालय जूनियर स्तर तक ही संचालित होने के कारण बच्चों को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई में दिक्कत होती है। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से पीजीडीसी पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसे इंटरमीडिएट के समकक्ष माना जाता है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि विश्वविद्यालय के 13 दृष्टिबाधित छात्रों ने बिना राइटर की सहायता लिए कंप्यूटर के माध्यम से परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसे दिव्यांग छात्रों की क्षमता और आत्मविश्वास का उदाहरण बताया गया।

रिंग रोड पर दर्दनाक हादसा डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

झूंसी, प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। चमनगंज चौकी क्षेत्र के बजहा गांव के पास रिंग रोड स्थित टोल प्लाजा के समीप एक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बजहा गांव निवासी 26 वर्षीय सूर्यभान शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे बाइक से जा रहा था। इसी दौरान टोल प्लाजा के पास उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल युवक को इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। वहीं गांव में भी शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रिंग रोड पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई।

एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल की इलाज के दौरान मौत

अखंड भारत संदेश

करछना प्रयागराज। मिर्जापुर हाईवे पर करछना के गंधियाव,मर्दापुर गांव के समीप शुक्रवार सायं साढ़े चार बजे एक्सीडेंट हो गया था। गंभीर रूप से घायल का इलाज के दौरान शनिवार सुबह युवक की मौत हो गई। गधियाव गांव के समीप अप्पे और डम्फर में भिड़ंत के बाद अप्पे पर सवार लगभग आधा दर्जन से अधिक लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए थे। जिसमें रितेश व्यक्ति के उपर डम्फर चढ़ जाने से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया था। सूचना पर पहुंचे सीसीटीवी प्रभारी करछना तत्कालीन घटना स्थल पर पहुंचे और सुचना थाने को दी जहां मौके पर थाना प्रभारी करछना प्रवीण कुमार गौतम और एम्बुलेंस सेवा से गम्भीर रूप से घायल की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल प्रयागराज स्वरूपरानी अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान रितेश की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि रितेश की सास और साली का एक्सीडेंट कुछ दिन पहले हो गया था जहां उन्हे अक्षवट अस्पताल नैनी में भर्ती कराया गया था उन्हीं लोगों को देखकर वापस गांव लौट रहा था जिसके बाद सड़क दुघटर्ना में उसकी मौत हो गया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल रहा। करछना थाना प्रभारी प्रवीण कुमार गौतम ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर पोस्टमार्टम कराते हुए विधिक कार्रवाई किए जाने की बात कही।

दवा लेने निकले फाइनेंस कमी की रास्ते में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौत

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के दामोदरपुर उर्फ तिवारीपुर गांव निवासी एक अधेड़ की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दामोदरपुर उर्फ तिवारीपुर गांव निवासी 38 वर्षीय सुनील तिवारी पुत्र राम अंजोर तिवारी एक निजी फाइनेंस कंपनी में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि शनिवार को उनकी तबीयत कुछ खराब थी, जिस पर वह दवा लेने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक उनकी हालत अधिक बिगड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उन्हें एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में रोना-पीटना मचा हुआ है। मृतक अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी बेटी ने हाल ही में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। गांव के लोगों ने भी घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

पंपिंग सेट से बाइक चोरी, सिंचाई कर लौटे किसान के उड़े होश

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाएं लगातार हो रही है। ताजा मामला चंदरपुर उर्फ बसमहुआ गांव का है, जहां खेत की सिंचाई करने गए एक युवक की बाइक चोरों ने पार कर दी। घटना के बाद पीड़ित ने थरवई थाने में प्राथर्ना पत्र देकर कारर्वाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदरपुर उर्फ बसमहुआ गांव निवासी राकेश कुमार सिंह पुत्र धनीराम सिंह शुक्रवार की शाम अपनी बाइक गांव में स्थित पंपिंग सेट पर खड़ी कर खेत में पानी लगाने चले गए थे। काफी देर तक खेत की सिंचाई करने के बाद जब वह वापस लौटे तो पंपिंग सेट के पास खड़ी उनकी बाइक गायब थी। बाइक न देखकर उनके होश उड़ गए। पीड़ित ने आसपास के लोगों से पूछताछ करते हुए काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कहीं कोई सुराग नहीं मिला। घटना से क्षेत्र में दहशत और लोगों में आक्रोश का माहौल है। पीड़ित राकेश कुमार सिंह ने मामले की लिखित शिकायत थरवई पुलिस को देकर बाइक बरामद करने और चोरों के खिलाफ कारर्वाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

संपूर्ण समाधान दिवस कोरांव में तहसीलदार ने सुनी समस्याएं

चकरोड के अतिक्रमण कर्ताओं को बेदखली की नोटिस,ग्राम सभा अलहवा का मामला, धाव ग्राम सभा में प्रधान ब्लॉक अफसरों द्वारा कूप जगत निर्माण में घोटाला का लगाया आरोप

कोरांव। समाधान दिवस कोरांव में तहसीलदार कोरांव रोशनी सोलंकी ने अपने अधीनस्थों के साथ लोगों की समस्याएं सुनीं। और कायर्वाही के निर्देश दिए।ग्राम सभा अल्हवा में चकमार्ग संख्या 1035 पर पूर्व कोटेदार द्वारा अवैध कब्जा करने के जुर्म में तहसील प्रशाशन द्वारा थाना कोरांव में दर्ज एफआईआर के बावजूद कब्जा न खाली करने की शिकायत पर तहसीलदार ने लेखपाल अल्हवा को तलब किया। क्यों कि लेखपाल द्वारा हर शिकायत में यही रिपोर्ट लगाते आ रहे थे कि अतिक्रमणकर्ता पवन कुमार पाल के विरुद्ध केस दर्ज कराया गया है। किंतु बेदखली की कायर्वाही नहीं की गई थी। लेखपाल ने ग्राम प्रधान की शिकायत के सापेक्ष आख्या लगाई कि उक्त अतिक्रमण कर्ता के विरुद्ध बेदखली का मुकद्दमा तहसीलदार न्यायालय में दाखिल कर दिया गया है। नोटिस भी भेजी गई है। इस प्रकार उक्त शिकायत का त्वरित निस्तारण कर दिया गया। इसी तरह पुलिस, बिजली,राजस्व विवाद, सड़क विवाद, फजी निस्तारण, उत्पीड़न आदि के मामले आए। ग्राम सभा धाव ब्लॉक कोरांव के विजय शंकर पाल ने सातवीं बार शिकायत किया कि मेरे ग्राम की ग्राम प्रधान और सचिवन तथा ब्लॉक के अधिकारी मिल कर इंटरलॉकिंग सड़क घटिया किस्म की बना दिए हैं जिससे नष्ट हो रही है। इसी तरह राधिका प्रसाद पाल पुत्र श्रीराम पाल ग्राम धाव ने शिकायत किया कि मेरे खेत में बने कूप की जगत की फोटो लगा कर प्रधान तथा ब्लॉक अफसरों ने मिल कर करीब डेढ़ लाख से अधिक रुपए का घोटाला कर लिया है। जिसकी शिकायत सातवीं बार डीएम से ले कर हर जगह किया किंतु कोई कायर्वाही नहीं की जा रही है।

डीएम एवं एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी शिकायतें, मौके पर 12 शिकायतों का हुआ निस्तारण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पट्टी तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 286 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से राजस्व विभाग की 12 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 286 शिकायतों में से 146 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 38, विकास विभाग से 22, समाज कल्याण से 06, शिक्षा से 05, स्वास्थ्य से 03 एवं 66 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर द्वारा सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता कलीमउल्ला निवासी ग्राम गोई, पोस्ट-सरखेलपुर पट्टी ने शिकायत किया कि

प्रार्थी का भाई तौफीक अली केबिल व खम्भे का जो स्टीमेट बना था उसको 3 साल पहले पैसा जमा कर दिया था, 1 साल पहले खम्भा भेजकर गड़वा दिये परन्तु आज तक केबिल नहीं भेजे, प्रार्थी तीन साल से पावर हाउस का चक्कर लगा रहा है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि शिकायत का नियमानुसार कार्यवाही कर प्रकरण का निस्तारण कराये। डीएम ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्याओं की मौके पर जाकर जांच करते हुए उसका यथाशीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतकताओं की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से शिकायतों का निपटारा करें, जिसमें शिकायतकर्ता की संतुष्टि सबसे महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। अधिकारियों को प्राप्त सभी शिकायतों का समय पर और सही तरीके से समाधान करने के निर्देश दिये गये। उन्होने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में जो भूमि संबंधी मामले हैं उसमें राजस्व तथा पुलिस की संयुक्त टीम गठित करके मौके पर भेजकर निस्तारण कराएं। कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये।

इस अवसर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकताओं की समस्याओं को विनम्रता से सुनते हुए निष्पक्ष जांच कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पट्टी पूर्णेन्दु मिश्र, डीएफओ आशुतोष गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला विकास अधिकारी सन्तोष कुमार सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दुकान में घुसकर मारपीट करने गए युवकों को पकड़ा

कुंडा। आपसी विवाद को लेकर दुकान में घुसकर मारपीट करने वाले युवकों को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस पहुंची तो लोगों को समझाने के बावजूद दूसरे पक्ष ने उग्र रूप धारण किया तो पुलिस ने उनको हिरासत में लिया। थाने लाकर शांति भंग की धारा में पाबंद कर चालान कर दिया। हथिगवां थाना क्षेत्र के पुरनेमऊ गांव निवासी बुधराम पटेल के बेटे अवधराज की पुरनेमऊ चैराहे पर कपड़े की दुकान है। शुक्रवार देर शाम कुछ लोग पहुंचे और खरीदने बेचने को लेकर दुकान में घुसकर विवाद और मारपीट करने लगे। शोर सुनकर चैराहे के लोग दौड़े तो युवकों को पकड़ लिया।प्रधान कमलेश पटेल ने यूपी 112 को फोन किया दरोगा विवेक पांडेय, राम प्रताप पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने दोनों पक्ष को समझाया तो अवधराज का पक्ष तो मान गया लेकिन दूसरे पक्ष के लोगों ने मानने के बजाय उग्र रूप धारण कर लिया।

इससे पुलिस पकड़े गए चार युवकों हिरासत में लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी अजय कुमार पटेल, कपिल पटेल निवासी बलीपुर, शिवम पटेल, दीवान पटेल निवासी मोहद्दीनगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शांति भंग में चालान कर दिया। इंस्पेक्टर सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि दुकान में घुसकर मारपीट करने वाले युवको को शांति भंग में पाबंद कर चालान किया गया है।

गांव की पानी टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के उदई शाहपुर गांव निवासी विनोद सिंह उर्फ पिंटू ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर गांव में पेयजल संकट की गंभीर समस्या उठाई है। पीड़ित का आरोप है कि गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए बनाई गई पानी की टंकी से नियमित सप्लाई नहीं हो पा रही है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।पीड़ित के अनुसार इस समस्या को लेकर पूर्व में कई बार संबंधित विभाग और जल निगम को शिकायती प्रार्थना पत्र दिए गए, लेकिन हर बार मामले को कागजों में निस्तारित दिखा दिया गया। आरोप है कि जल निगम द्वारा मौके पर समस्या का समाधान किए बिना ही फर्जी रिपोर्ट लगाकर शिकायत बंद कर दी जाती है।समस्या से परेशान होकर विनोद सिंह उर्फ पिंटू ने शनिवार दोपहर डीएम प्रतापगढ़ को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई।

शिकायत के बाद पीड़ित ने बताया कि गांव के लोग लंबे समय से पानी की समस्या झेल रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। अब ग्रामीणों को जिलाधिकारी से ही समाधान की उम्मीद है।

डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की बैठक

● कर्मचारियों को लक्ष्य आवंटित कर फार्मर रजिस्ट्री के कार्यो में लाये तेजी-डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्यो में तेजी लाने हेतु कैम्प कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को देर सायंकाल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी उपजिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी व सम्बन्धित विभागीय अधिकारी को योजनाओं की प्रगति शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दास्त नही की जायेगी। उन्होने निर्देशित किया कि प्रत्येक कर्मचारी एवं सम्बन्धित कार्मिक को लक्ष्य आवंटित किया जाये, प्रतिदिन कार्यो की मानीटरिंग की जाये जिससे फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया जा सके, जिन कर्मचारियों को लक्ष्य आवंटित किया जाये यदि उनके द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शून्य पाया जाये तो उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। उन्होने कहा कि ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री, ई-

केवाईसी एवं अन्य औपचारिकतायें पूर्ण करायी जाये ताकि पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ समय से प्राप्त हो सके। उन्होने कहा कि सभी उपजिलाधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में निरीक्षण करें, ग्राम पंचायत सचिव, लेखपाल एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्यो में तेजी लायी जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) आदित्य प्रजापति, उपजिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार सहित उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

अव्यवस्थाओं के साथ शुरू हुआ पुरूषोतम मास का मेला

● आधा दर्जन से अधिक हैंडपंप खराब कैसे होगा जलाभिषेक

बेलखरनाथ धाम। पौराणिक स्थल बाबा बेलखरनाथ धाम में इस बार अधिक मास का मेला अव्यवस्थाओं के बीच शुरू हो गया।यहां पर लगें हैंडपंप व हाई मास्ट लाइटें खराब है जिससे शिव भक्तों व दुकानदारों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को पुरुषोत्तम मास पर शिवभक्तों ने बाबा बेलखरनाथ धाम का सुबह कपाट खुलते ही जयकारा लगाते हुए दर्शन पूजन कर जलाभिषेक किया। इस दौरान शिव भक्तों की भारी भीड़ रही। मंदिर के पुजारी बद्रीनाथ

गिरी व मेला सेवा समिति के कार्यकताओं ने बताया कि जलाभिषेक व दुकानदारों तथा शिव भक्तों को सबसे बड़ी समस्या पानी को लेकर है।यहां पर आठ हैंडपंप लगे हैं जिसमें सिर्फ एक ही हैंडपंप चल रहा है। इसके अलावा साफ सफाई के अव्यवस्था के साथ ही हाईमास्ट की लाइटें खराब है।जबकि इसके लिए पहले से ही उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया था।इस दौरान मंदिर के मुख्य पुजारी विश्वनाथ गिरी अरूण कुमार सिंह,देवी नरेश सिंह,उदय प्रताप सिंह, सिकंदर सिंह, अजीत कुमार ओझा, रामकुमार ओझा, इंद्र बहादुर सिंह, केशव देव सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

व्यवस्थाओं का जायजा लेने नहीं पहुंचे डीएम

पट्टी समाधान दिवस के बाद नवागत जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय को बाबा बेलखरनाथ धाम में व्यवस्थाओं का जायजा लेने जाना था लेकिन अचानक कार्यक्रम बदल जाने से डीएम धाम नहीं पहुंच सके। जिससे मंदिर के पुजारी व समिति के कार्यकताओं में निराशा देखी गई। हालांकि इस दौरान डीडीओ,पीडी व सीएमओ के अलावा एक्सईएन विद्युत, सिंचाई विभाग सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला पर जानलेवा हमला, बचाने पहुंचे बेटे को भी

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के संग्रामगंज गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना शनिवार देर शाम की बताई जा रही है। आरोप है कि विवाद इतना बढ़ गया कि महिला पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार संग्रामगंज गांव निवासी मेवा रजक और दुखराम रजक के परिवार के बीच रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि मेवा रजक के बेटे मनीष, अनीश तथा मनीष का बेटा निलेश रजक तीनों मिलकर मेवाराम रजक की पत्नी रामरती पर कुल्हाड़ी लेकर हमलावर हो गए। महिला को बचाने पहुंचे उसके बेटे पंकज को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गंभीर रूप से घायल रामरती को इलाज के लिए जौनपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।मामले में रामरती के बेटे विनोद रजक ने शनिवार की देर शाम थाने पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में थाना अध्यक्ष राकेश चैरसिया ने बताया कि घायल महिला घायल महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है प्रार्थना पत्र के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

समाधान दिवस में एक सौ पैंतालिस शिकायतों में तेरह का हुआ निस्तारण

लालगंज। सम्पूर्ण समाधान दिवस में लालगंज में एक सौ पैंतालिस शिकायतों में तेरह शिकायतों का अफसरो ने निस्तारण कराया। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में हुए समाधान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की चैरान्नवे, पुलिस सत्ताईस, विकास छः, विद्युत विभाग चार, आपूर्ति पांच व अन्य विभागों की नौ रहीं। सांगीपुर थाना क्षेत्र के लखहरा निवासी छेदी ने दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि गांव के प्रधान द्वारा लेखपाल की मिलीभगत से उसकी भूमिधरी जमीन में जबरिया चकरोड निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित ने यह भी कहा है कि मामले मे सक्षम न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश पारित है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने तहसीलदार को जांच कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। लालगंज निवासी अधिवक्ता शेष तिवारी, विनोद सोनी, हरिमोहन यादव आदि ने शिकायती पत्र देकर घुइसरनाथ रोड से निकलने वाली नहर में झाड़ी की सफाई न होने से लोगों को हो रही असुविधा की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है।

एसडीएम ने अधिशाषी अभियंता सिंचाई को समाधान कराए जाने के बाबत पत्र लिखा है। संचालन तहसीलदार गरिमा वर्मा ने किया। इस मौके पर वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ल, बीडीओ मानवेंद्र शर्मा, अधीक्षक डा0 अरविंद गुप्ता आदि रहे।

घर में घुसकर परिवार को पीटने में आठ पर मुकदमा

कुंडा। बाघराय थाना क्षेत्र के पूरे खोथई रोर गांव निवासी रमेश कुमार पांडेय ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि रंजिशन पड़ोस के कई लोग लाठी डंडा, तमंचा, बंदूक लेकर उसके घर पहुंचे और गालियां देते हुए मारपीट करने लगे। वह जान बचाने को घर के भीतर भागा तो वह लोग घर में घुसकर मारापीटा। बीच बचाव को उसकी मां और पत्नी दौड़ी तो उन लोगों को भी मारा पीटा, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो वह लोग जान से मारने की धमकी देते चले गए।

गडढ़े में गिरने से अधेड़ की मौत, कोहराम

प्रतापगढ़। बिजली के झटके से रिबोर के लिए बनाए गए गडढे में गिरने से अधेड़ की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजवाया। वहीं मौत की खबर घर पहुंची तब परिजनों में कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बभनपुर ककरहिया निवासी देवतादीन उर्फ लल्लू 55 पुत्र महादेव शुक्रवार की शाम बिजली के झटके से गडढ़े में गिर गया। मृतक खेत की सिंचाई के लिए टयूबवेल पर गया था। नलकूप में खराबी को देख वह उसे ठीक करने लगा। अचानक लगे बिजली के झटके से वह गडढे में गिर गया। गडढे में ईट मौजूद होने से देवतादीन को सिर पर गंभीर चोटें आ गयीं। लगभग दो घंटे तक देवतादीन घर नही पहुंचा तब परिजन उसकी तलाश मे निकले। गडढ़े में उसे मूर्छित अवस्था में देख परिजन आननफानन में लालगंज ट्रामा सेंटर ले आये। यहां चिकित्सकों ने देवतादीन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पीएम

के लिए भेजवाया है। घटना को लेकर मृतक के परिजन बिलख पड़े।

कस्बा प्रभारी व बीट सिपाही का पैसे लेते वीडियो वायरल, मचा हड़कंप

पट्टी। कोतवाली में तैनात कस्बा प्रभारी प्रशांत कटिहार व बीट सिपाही सोनू कुमार का कथित रूप से पैसा लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दोनों पुलिसकर्मी एक पीड़ित से रुपये लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

बिजली कनेक्शन के लिए भटकता रहा ग्रामीण

नए कनेक्शन के लिए विभाग में जमा करा दिया पैसा, फिर भी नहीं मिल पा रहा कनेक्शन

पट्टी। तहसील क्षेत्र के औरंग गांव निवासी कृपालु ने विद्युत विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पीड़ित का आरोप है कि नए बिजली कनेक्शन के लिए उसने पूरे 52,820 विभाग में जमा कर दिए, लेकिन एक हफ्ता बीत जाने के बाद भी उसके घर की बिजली नहीं जल सकी।

कृपालु का कहना है कि कनेक्शन पाने के लिए वह रोजाना विद्युत विभाग के कर्मचारियों और दफ्तर के चक्कर काटता रहा, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। आखिरकार परेशान होकर शनिवार की दोपहर उसने विद्युत उपखंड पट्टी पहुंचकर जेई जय राज राजपूत को शिकायती पत्र सौंपा और जल्द कनेक्शन दिलाने की गुहार लगाई। मामला तूल पकड़ने के बाद विभाग हरकत में आया। जेई जय राज राजपूत ने पीड़ित को भरोसा दिलाया कि उसकी समस्या का जल्द समाधान कर बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। अब देखना यह होगा कि आश्वासन के बाद कब तक घर का अंधेरा दूर होता है।

तेज धमाके के साथ उखड़ी सड़क, सहमे लोग

प्रतापगढ़। नगर में अचानक धमाके के साथ सीसी रोड फटकर उखड़ गयी। धमाके के कारण दुकानदार व लोग घरों से बाहर निकल आये। लालगंज के घुइसरनाथ रोड पर छोटी नहर के समीप शनिवार को तीन बजे के करीब लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत बनी सीसी रोड के नीचे तेज धमाका हो गया। धमाका सुनते ही दुकानदार व स्थानीय लोग बाहर निकल आये। धमाके के कारण करीब सात मीटर चैड़ी सीसी रोड बीच में दरक गयी। कुछ हिस्सा उभर कर ऊपर की ओर निकल आया। सड़क के दोनों तरफ करीब दो सौ मीटर लम्बी दरार बन गयी। काफी देर तक यह मामला लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना रहा। धमाका की वजह लोग सड़क के नीचे बनी गैस बता रहे हैं। अजय कुमार, सर्वजीत, महेश आदि प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके के कारण लोग भयभीत हो गये। स्थानीय लोगों ने मामले

की जांच कराये जाने के लिए उच्चाधिकारियों से मांग उठाई है।

गर्भवती ने लगाया हत्या का आरोप

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के घरहिया गांव निवासी अब्दुल गफ्फार ने अपनी पत्नी की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित का आरोप है कि उनकी पत्नी को करीब सात माह पूर्व कंधई क्षेत्र के एक गांव का एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। उस समय उनकी पत्नी सात माह की गर्भवती थी। पीड़ित के अनुसार घटना के बाद उन्होंने लगातार पत्नी की तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसी बीच 15 मार्च 2026 को थाना कंधई क्षेत्र भीटीकला गांव में एक कुएं से महिला का शव बरामद हुआ था।।जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस द्वारा सूचना मिलने पर अब्दुल गफ्फार ने शव की पहचान अपनी पत्नी के रूप में की। अब्दुल गफ्फार ने आरोपी युवक समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों पर पत्नी की हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मामले में अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट मांगने पर भी उन्हें टालमटोल कर जवाब नहीं दिया जा रहा है और रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई जा रही है।

पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। जिससे उनका परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जिलाधिकारी ने तहसील मंझनपुर में फरियादियों की सुनी जन शिकायतें

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने तहसील मंझनपुर में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर शिकायत को निस्तारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुई,जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार तहसील सिराथू कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुई,जिसमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील चायल कुल 57 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

सुना है पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए हैं?

कौशांबी। डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ाने के बाद आम जनता ने कहा कि सुना है पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए हैं? लेकिन इस मामले में कहीं से कोई चूं तक नहीं सुनाई दी है। शायद.आम आदमी के ऊपर डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का दाम बढ़ने का कोई फर्क नहीं पड़ता होगा? तभी तो मीडिया में कहीं भी बात की चर्चा नहीं है। आज सुबह-सुबह गांव के एक सज्जन से भेंट हो गई,कह रहे थे कि मंहगाई - वंहगाई से केवल ऐसे लोगों को तकलीफ होती है जो राष्ट्रभक्त नही हैं। महंगाई की बात करने वाले लोग राष्ट विरोधी हैं,ऐसी चर्चाएं विपक्षी साजिश का नतीजा हैं। इसमें पाकिस्तान का हाथ हो सकता है। सज्जन ने बताया कि राष्ट्रहित में उनके घर में अब खाने के तेल का प्रयोग नहीं किया जाता है।तेल की जगह पानी का प्रयोग होता है जिससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है, कोलेस्ट्रॉल भी नहीं बढ़ता है। इसके अनगिनत फायदे हैं। भोजन अब लकड़ी के चूल्हे में बनता है। लकड़ी के चूल्हे में पका हुआ भोजन अमृतमय हो जाता है। अमृत काल में अमृतमय भोजन और भजन से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हो जाता है बाकी सब साजिश है, मंहगाई का दुष्प्रचार करने वाले लोगों को राष्ट विरोधी क्रियाकलापों के लिए कठोर दण्ड के लिए कदम उठाए जाएंगे।

बालू खनन पट्टा धारक ने होमगार्ड से किया गाली गलौज पिस्तौल निकाल कर दी जान से मारने की धमकी

अखंड भारत संदेश

खनन अधिकारी की मौजूदगी में पट्टा धारक ने मचाया आतंक खनन अधिकारी ने होमगार्ड से कहा कि देर रात यह लोग नहीं आयेंगे तो कैसे चलेगा कार्यालय

कौशांबी। मंझनपुर थाना क्षेत्र के बडनपुर कादीपुर गांव के उदय भान मिश्रा पुलिस विभाग के होम गार्ड विभाग में कार्यरत हैं जिनकी ड्यूटी खनन विभाग के कार्यालय में लगी है दिनांक 23 फरवरी 2026 को ड्यूटी के दौरान शाम 5 बजकर 45 मिनट पर होमगार्ड उदय भान मिश्रा कार्यालय में अकेले ही थे और कार्यालय खुला था खनन अधिकारी चन्द्र प्रकाश जायसवाल के आदेश पर गेट बन्द कर दिया जाता था खनन कायर्यालय में 5 से 7 प्राईवेट कमर्चारी उपस्थित थे तभी बालू खनन पट्टा धारक जाबेद पुत्र मोहम्मद अली मुहम्मद ने गेट के अन्दर घुसने का प्रयास किया तभी होमगार्ड उदय भान द्वारा बताया गया कि खनन अधिकारी का आदेश है कि 5 बजे के बाद अन्दर आना मना है। इसी बात को लेकर बालू खनन पट्टा धारक जावेद पुत्र मो० अली ने गाली देने लगे विरोध करने पर बाहर खड़ी अपनी गाडी से तुरन्त पिस्टल निकाल कर जान से मारने की धमकी दिया शोर गुल सुनकर खनन अधिकारी चन्द्र प्रकास जायसवाल बाहर निकले तो उनके सामने भी पीड़ित को गाली गलौज किया और जान से मारने की धमकी दी लेकिन अधिकारी ने पट्टा धारक को कुछ नहीं बोला और पट्टा धारक को पिस्टल सहित अन्दर लेकर रात लगभग 8 बजे तक बैठे रहे होमगार्ड से खनन अधिकारी ने कहा कि शाम को ये लोग नही आयेगे तो कौन आयेगे इन्ही लोगो के भरोसे से हमारा खनन आफिस चलता है। पीड़ित ने मंझनपुर थाना पुलिस को तहरीर देकर गुहार लगाई है कि जांच करवा कर बालू खनन पट्टा धारक जावेद पुत्र मो0 अली के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पिस्टल का लाइसेंस निरस्त करवा कर जेल भेजा जाये । होमगार्ड की तहरीर पाकर मंझनपुर पुलिस ने खनन पट्टा धारक के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 188 सन 2026 गंभीर धाराओं में दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।हालांकि मुकदमा तो दर्ज हो गया है लेकिन तहरीर देने में वादी ने देर की या खनन अधिकारी के दबाव में दो महीने बाद मुकदमा दर्ज किया गया। उपरोक्त मुकदमा से साफ जाहिर हो रहा है कि खनन अधिकारी ही खनन माफियाओं को बढ़ावा दे रहे हैं जिससे बालू खनन रैकेट के संरक्षण में यमुना नदी के हृदय को छलनी किया जा रहा है।

निष्ठावान कार्यकर्ता ही बसपा की डूबती नैया को दे सकते हैं सहारा

अखंड भारत संदेश

विगत 40 वर्षो से लगातार मोतीलाल अंबेडकर बहुजन समाज पाटी से जुड़े हुए हैं

कौशांबी। बीते दस वर्षों से बहुजन समाज पाटी का जनाधार दिनों दिन कम होता जा रहा है इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि बाहर से आने वाले लोग बसपा के खासम खास होते गए और विधानसभा के चुनाव से लेकर लोकसभा के चुनाव तक बाहरी लोगों को प्रत्याशी बनाकर तवज्जो दिया गया लेकिन बाहरी लोगों का जन आधार न होने से बहुजन समाज पाटी के प्रत्याशी विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में बसपा की जीत का झंडा नहीं फहरा सके जबकि कभी बहुजन समाज पाटी का गढ़ कौशांबी माना जाता था तीनों विधानसभा से लेकर लोकसभा जिला पंचायत तक बसपा के पदाधिकारी का कब्जा होता था लेकिन समय बदला और कौशांबी जिले से बसपा का जनाधार खिसक गया है इन स्थितियों में पुराने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को फिर से तवज्जो दिए जाने की जरूरत महसूस हो रही है बहुजन समाज पाटी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि बामसेफ के समय 1987 से सक्रिय कार्यकर्ता मोतीलाल अंबेडकर की निष्ठा को बसपा का शीर्ष नेतृत्व समझ नहीं पा रहा है बहुजन समाज पाटी का गढ़ माने जाने वाले कौशांबी जिला क्षेत्र में बीते कई वर्षों से बसपा की स्थिति दिनों दिन चौपट होती जा रही है 40 वर्षो से लगातार मोतीलाल अंबेडकर बहुजन समाज पाटी से जुड़े हुए हैं यदि बामसेफ और डीएसएसएसएस के पुराने निष्ठावान कार्यकर्ता मोतीलाल अंबेडकर को बसपा का नेतृत्व सौंपा जाए तो शायद बसपा में परिवर्तन आ सकता है बहुजन समाज पाटी को गांव से लेकर प्रदेश की राजनीतिक तक पहुंचाने में पुराने कार्यकर्ताओं का अहम रोल था लेकिन बीच में नए भौकाली लोग बसपा में शामिल हो गए और पुराने लोगों की कद्र कम कर दिया है जिससे बसपा का जनाधार कम होने लगा बहुजन समाज पाटी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि पुराने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को फिर तवज्जो देना होगा तभी बसपा का जनाधार बढ़ेगा।

एडीएम ने ग्राम चकमाहपुर पाण्डेयमऊ में भूमि विवाद की 03 शिकायतों का मौके पर ही कराया निस्तारण

कौशांबी।जिलाधिकारी के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ओम प्रकाश ने ह्लटॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत आज तहसील चायल की ग्राम चकमाहपुर पाण्डेयमऊ में आयोजित कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का स्थलीय सत्यापन किया एवं ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता सूरज यादव व नीरज कुमार की शिकायत पर ग्राम की आराजी संख्या 391 एवं 404, जो खतौनी में तालाब की भूमि दर्ज है, की पैमाइश कर मेड़बन्दी कराई गई तथा अतिक्रमण को मौके पर ही हटवाया गया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता शिवकुमार ने ग्राम की आराजी संख्या 375 पर कब्जा दिलाए जाने की शिकायत की थी, राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त की जांच में पाया गया कि प्रकरण दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

वन स्टॉप सेंटर में किशोरी की मौत का रहस्य गहराया

अखंड भारत संदेश

वन स्टॉप सेंटर के जिम्मेदारों के किस गुनाहों पर पर्दा डालने का प्रयास हो रहा है यह बड़ी जांच का विषय है

विभागीय अधिकारी और पुलिस चाहती है कि जो वह कहे वही सच मान लिया जाए आज तक यही होता आया है

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर में 11 मई की रात एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है घटना को चार दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक किशोरी की मौत के गुनहगारों पर कार्यवाही नहीं हुई है जिससे वन स्टॉप सेंटर के जिम्मेदारों पर बड़े सवाल खड़े हैं वन स्टॉप सेंटर में इसके पहले भी कई किशोरिया भाग चुकी है जिससे सवाल उठता है कि वन स्टॉप सेंटर में किशोरिया अपने को क्यों सुरक्षित नहीं महसूस कर रही है आखिर वन स्टॉप सेंटर में मौजूद किशोरियों के ऊपर कौन सा नाजायज दबाव है जिससे पीड़ित होकर किशोरिया या तो भाग रही है या फिर उनकी मौत हो रही है वन स्टॉप सेंटर के जिम्मेदारों के किस गुनाहों पर पर्दा डालने का प्रयास हो रहा है यह बड़ी जांच का विषय है लेकिन किशोरी की मौत को 4 दिन बीत जाने के बाद मामले में अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ है वन स्टॉप सेंटर में चार दिन पहले किशोरी की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत के मामले में जब अखंड भारत संदेश समाचार पत्र ने तफ्तीश किया तो निम्न बिंदुओं का जवाब पुलिस और विभाग के पास नहीं है विंदु नंबर एक जिस बाथरूम में किशोरी की मौत की बात बताई जा रही है उस बाथरूम के छत की ऊंचाई लगभग साढ़े 6 फिट है लेकिन छत में कोई चुल्ला नहीं लगा हुआ है तो फिर क्या आसमान से फंदा बनाकर किशोरी ने आत्महत्या किया है जिम्मेदारों के बयान के बाद किशोरी की मौत पर दूसरा सवाल खड़ा हो रहा है कि दीवार में लगे खिड़की की जाली से किशोरी ने फांसी लगाई है तो खिड़की की ऊंचाई साढ़े 5 फिट है तो 5 फीट की किशोरी कैसे साढे 5 फीट ऊंची खिड़की से आत्महत्या कर सकती है सवाल नम्बर तीन बताया जाता है कि बाल्टी के ऊपर खड़ी होकर किशोरी ने आत्महत्या किया है लेकिन बाल्टी नहीं गिरी थी जिससे सवाल खड़े हो गए हैं सवाल नंबर चौथा खड़ा हो रहा है कि दीवाल की खिड़की से आत्महत्या किया जाना संभव नहीं है सवाल नंबर पांचवां खड़ा हो रहा है कि जिस दुपट्टे से किशोरी के आत्महत्या की कहानी बताई जा रही है उस दुपट्टे की लंबाई 4 फिट है और 4 फीट लंबे कपड़े से आत्महत्या किया जाना संभव नहीं है आत्महत्या में फंदा बनाने के लिए कम से कम 9 या 10 फुट लंबी डोरी और कपड़े की जरूरत पड़ती है तो फिर 4 फिट के दुपट्टे से किशोरी के आत्महत्या किए जाने पर सवाल खड़े हैं इसके बाद सवाल खड़े हो रहे हैं कि जिस कमरे में किशोरी मौजूद थी उस कमरे में 17 बालिकाएं अन्य भी मौजूद थी चार दिन बीत जाने के बाद बालिकाओं को अलग-अलग बुलाकर उनके बयान नहीं दर्ज किए गए हैं सुरक्षा को लेकर वन स्टॉप सेंटर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं किशोरी की मौत के बाद सवाल खड़ा हो रहा है कि वन स्टॉप सेंटर में बीते15 दिनों के फुटेज को चेक करके इस बात का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है कि वहां किस बाहरी व्यक्ति का आना जाना है घटना वाले दिन भी कौन-कौन बाहरी व्यक्ति वहां पहुंचा था इस बात का खुलासा भी सीसीटीवी कैमरा कर देता लेकिन अभी तक सीसीटीवी कैमरे से बाहरी लोगों के आने जाने का खुलासा नहीं किया गया है जिससे सवाल खड़े हो रहे हैं आखिर यदि किशोरी ने रात लगभग 8:00 बजे शौचालय की खिड़की में आत्महत्या किया था तो उसी कमरे में मौजूद अन्य 17 किशोरियों में किसी भी किशोरी ने उनकी चीख पुकार की आवाज सुनी होती लेकिन किसी भी किशोरी ने आत्महत्या के दौरान चीखने चिल्लाने की आवाज नहीं सुनी है तफ्तीश के दौरान यह उजागर हो रहा है कि कमरे में मौजूद 17 किशोरियों को जुबान बंद करने की हिदायत दे दी गई है इतना ही नहीं वन स्टॉप सेंटर में मौजूद किशोरियों की सुरक्षा के लिए महिला सिपाहियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी और जिस कमरे के बाथरूम में किशोरी के आत्महत्या की कहानी बताई जा रही है उस कमरे में दो महिला सिपाहियों की भी ड्यूटी लगी थी तो फिर महिला सिपाहियों की ड्यूटी के बाद किन परिस्थितियों में किशोरी ने बाथरूम में रहस्यमय परिस्थितियों में आत्महत्या कर लिया है अभी तक उन दोनों महिला सिपाहियों के भी बयान नहीं दर्ज किए गए हैं अगला सवाल खड़ा हो रहा है कि यदि खिड़की की छड़ से फांसी के फंदे में बालिका ने आत्महत्या किया है तो आत्महत्या के दौरान बालिका तड़पी होगी और उसके दाएं बाएं कंधे में और पेट पीठ छाती के हिस्से में दीवार के खरोच और रगड़ के निशान आने चाहिए लेकिन मृतक किशोरी के शरीर में खरोच और रगड़ के निशान नहीं मिले हैं जिससे खिड़की की छड़ से आत्महत्या किए जाने पर भी सवाल खड़े हैं किशोरी की जीभ बाहर नहीं निकली थी किशोरी की मौत के बाद बाथरूम का दरवाजा खुला हुआ था आखिर किस दबाव के चलते किशोरी की मौत से हकीकत नहीं उजागर हो रही है विभागीय अधिकारी और पुलिस चाहती है कि जो वह कहे वही सच मान लिया जाए आज तक यही होता आया है सेंटर में प्रताड़ित तीन किशोरियां इसके पहले भी 25 फुट ऊपर खिड़की से कूद कर वन स्टॉप सेंटर से कुछ वर्षों पहले भाग चुकी है बीते वर्ष भी किसी दबाव और प्रताड़ना के चलते वन स्टॉप सेंटर से किशोरी भाग चुकी है इसके अलावा भी वन स्टॉप सेंटर से अपने को बचाने को लेकर किशोरियां भाग चुकी हैं वन स्टॉप सेंटर की गतिविधिया हमेशा सुखियों में रहती है जिससे वन स्टॉप सेंटर में चार दिन पहले किशोरी की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत से रहस्य गहराता जा रहा है।

सीडीओ ने की जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने उदयन सभागार में आयोजित जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक में उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने सीएम उद्यमी युवा योजना के अन्तर्गत विभिन्न बैंकों में लम्बित ऋण आवेदनों की बैंकवार समीक्षा के दौरान बैंकर्स को लम्बित ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्हांने एम.ओ.यू. दाखिल निवेशकों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के भी निर्देश दिए बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर इस माह में कुल 176 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 115 प्रकरण निस्तारित हो चुके है तथा 35 प्रकरण विभिन्न विभाग के स्तर पर लम्बित है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लम्बित प्रकरण समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए बैठक में सीएमओ डॉ. संजय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं उद्यमीगण रमेश अग्रहरि, प्रवेश केसरवानी, अरुण केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने की व्यापार बन्धु समिति की बैठक

कौशांबी मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने उदयन सभागार में आयोजित जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।बैठक में ओसा मण्डी परिसर के अन्दर तौल के लिए धमकाँटा लगवाये जाने की मांग पर बताया गया कि धमकाँटा लगाए जाने के लिए स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त मुख्यालय को पत्र पेषित कर दिया गया है बैठक में नगर पंचायत सराय अकिल के मुक्तिधाम में समर सेबल लगने की मांग पर अधिशासी अधिकारी ने बताया कि समरसेबल लगाने का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। बैठक में मंझनपुर बस डिपो के बोर्ड को पुनः पेंट कराने की मांग पर बताया गया कि आगामी 03 दिवस के अन्दर कार्य करा दिया जाएगा बैठक में बताया गया कि प्रभासगिरि प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए आगणन प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, शीघ्र कार्य शुरू हो जाएगा। गंगा तट पर स्थित संदीपन घाट के सौंदयीकरण की मांग पर बताया गया कि संदीपन घाट के सौंदयीकरण कराए जाने के लिए महानिदेशक, पर्यटन को पत्र प्रेषित कर दिया गया है बैठक में भरवारी बस स्टॉप को आरंभ कराए जाने की मांग पर बताया गया कि बस स्टॉप को शीघ्र हैंडओवर कर संचालन शुरू करा दिया जाएगा।

उप जिलाधिकारी ने ग्राम गोराजू में भूमि विवाद की 03 शिकायतों का मौके पर ही कराया निस्तारण

कौशांबी। उप जिलाधिकारी मंझनपुर आकाश सिंह ने टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत आज ग्राम गोराजू में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित 03 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया। कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम की गाटा संख्या 630 (नाली) की पैमाइश करके चिन्हांकन किया। इसी प्रकार गाटा संख्या 15, जो खतौनी में चकमार्ग दर्ज है, की पैमाइश करके चिन्हांकन कर दिया तथा ग्राम प्रधान को चकमार्ग बनवाने के लिए कहा गया।उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

विकास खंड नेवादा के जयंतीपुर गांव की जर्जर सड़क से ग्रामीण परेशान हादसे का बना खतरा

अखंड भारत संदेश

तिल्हापुर मोड़ कौशांबी। विकास खंड नेवादा के जयंतीपुर गांव में गुलाब मिश्रा के घर से लेकर राजेश्वर दत्त पाण्डेय उर्फ साधु बाबा के घर तक जाने वाली सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं,जिससे ग्रामीणों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग गांव का प्रमुख संपर्क मार्ग माना जाता है,जहां से प्रतिदिन ग्रामीणों,किसानों एवं स्कूली बच्चों का आवागमन होता है।ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति और अधिक दयनीय हो जाती है।सड़क पर पानी भर जाने से कीचड़ फैल जाता है,जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर चुके हैं। सड़क के किनारे तालाब होने के कारण हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब सड़क का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। स्कूल वाहन चालकों को गांव तक पहुंचने में कठिनाई होती है,जिसके चलते कई बार बच्चों को काफी दूर पैदल जाना पड़ता है। वहीं बीमार एवं बुजुर्ग लोगों को अस्पताल पहुंचाने में भी बड़ी समस्या होती है।ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की समस्या लंबे समय से बनी हुई है,लेकिन अब तक जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण एवं मरम्मत जल्द कराने की मांग की है,ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। गांव वासियों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करेगा।

एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान से बेटियों को मिलेगा सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा कवच

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु शासन द्वारा जनपद में एचपीवी टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। एचपीवी संक्रमण महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) का प्रमुख कारण माना जाता है।

समय पर टीकाकरण इस गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी एवं सुरक्षित माध्यम है।स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित आयु वर्ग 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को यह टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। यह टीका पूर्णतः सुरक्षित, गुणवत्ता परक एवं चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप है। वैज्ञानिक अध्ययनों एवं वैश्विक आंकड़ों के अनुसार विश्व के 100 से अधिक देशों में इस टीके का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है तथा इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विशेषज्ञों द्वारा यह प्रमाणित किया गया है कि टीके से किसी प्रकार की कमजोरी अथवा गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होते हैं बाजार में इस टीके की कीमत अत्यधिक है, किंतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक बेटी को सुरक्षित एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से यह टीकाकरण पूर्णतः निःशुल्क कराया जा रहा है। यह जनपद की बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण अवसर है।जनपद के सभी ब्लॉक मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सोमवार से शनिवार तक प्रातः 10 बजे से अपराह्न 03 बजे तक विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। टीकाकरण हेतु बालिका का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र अथवा आयु प्रमाणित करने वाला दस्तावेज एवं संबंधित मोबाइल फोन (ओटीपी हेतु) साथ लाना आवश्यक होगा। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने जनपदवासियों से अपील की है कि इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पात्र बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं।

उन्होंने कहा कि टीकाकरण से संबंधित किसी भी प्रकार की भ्रांतियों एवं अफवाहों पर ध्यान न दें तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, जिससे जनपद का यह अभियान पूर्ण सफलता प्राप्त कर सके और जनपद की बेटियां स्वस्थ,सुरक्षित एवं सशक्त बन सकें।

हेलमेट है सुरक्षा कवच लोगों को दिलाया सुरक्षित सफर का संकल्प

व्यवस्था सुधारने के लिए सड़क पर उतरी सराय अकील पुलिस

कौशांबी। उत्तर प्रदेश पुलिस के सड़क सुरक्षा अभियान के तहत शुक्रवार को सराय अकील पुलिस ने यातायात नियमों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत के निर्देशन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाना और लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक करना रहा।पटेल चौराहा पर पुलिस टीम ने वाहन चालकों को रोककर हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व की जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि छोटी सी लापरवाही किस तरह बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बाइक चालकों को सुरक्षित वाहन चलाने का संकल्प दिलाया गया, पुलिस ने कहा कि नशे की हालत में वाहन न चलाने,तेज रफ्तार से बचने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की गई।अभियान के दौरान जो वाहन चालक हेलमेट पहनकर नियमों का पालन करते मिले,उन्हें पुलिस ने सराहा और अन्य लोगों को भी प्रेरित किया। सराय अकील पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा को लेकर ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे ताकि हादसों में कमी लाई जा सके।

कुएं में गिरा युवक हुआ गंभीर घायल

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा मंझनपुर के नया नगर मोहल्ला निवासी राजू उम्र 35 वर्ष शुक्रवार को अचानक फिसल जाने से कुएं में गिर गया है युवक के कुएं में गिरने की जानकारी मिलते ही मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ लग गई मामले की सूचना थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई युवक के गिरने की जानकारी मिलने के बाद थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची है और फायर ब्रिगेड की टीम ने युवक को कुएं से बाहर निकाल लिया है कुएं में गिरने से ४५' गंभीर घायल हो गया है घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भती कराया गया है।

बेलगाम दलालों के आगे बेबस व्यवस्था ! अंकुश लगाने में नाकाम जिम्मेदार

अखंड भारत संदेश

एआरटीओ कार्यालय में आखिर क्यों मंडराते रहते हैं वही खास चेहरे

कौशांबी। जनपद का एआरटीओ कार्यालय इन दिनों फिर चर्चाओं के केंद्र में है। वजह है दलालों पर कार्रवाई के तमाम दावों के बावजूद कार्यालय परिसर में लगातार सक्रिय दिखाई देने वाले कुछ खास चेहरे। आम आदमी जहां अपने छोटे-छोटे कामों के लिए घंटों लाइन में खड़ा होकर खिड़कियों के चक्कर काटता नजर आता है, वहीं कथित एजेंट और दलाल बेखौफ अंदाज में दफ्तर के भीतर तक पहुंचकर काम निपटाते दिखाई देते हैं। यही तस्वीर अब व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। लोगों का कहना है कि एआरटीओ कार्यालय में वर्षों से दलालों का ऐसा नेटवर्क बना हुआ है, जिसने सिस्टम को ही अपने हिसाब से ढाल लिया है। लाइसेंस,फिटनेस, परमिट, रजिस्ट्रेशन या अन्य कार्यों के लिए आने वाले लोगों को नियमों और प्रक्रिया का हवाला देकर इधर-उधर भटकाया जाता है, जबकि एजेंटों के जरिए वही काम कुछ ही समय में आसानी से हो जाते हैं। यही कारण है कि कार्यालय परिसर में सक्रिय कुछ चेहरों की पकड़ लगातार मजबूत दिखाई देती है। हालांकि समय-समय पर अधिकारियों द्वारा दलालों के खिलाफ अभियान चलाने, परिसर खाली कराने और सख्ती बरतने के दावे किए जाते रहे हैं। कई बार औचक निरीक्षण भी हुए,शटर गिरे, भगदड़ मची और कार्रवाई की खबरें भी सुखियां बनीं। लेकिन जैसे ही कुछ दिन गुजरते हैं, वही पुराने चेहरे फिर कार्यालय परिसर में सक्रिय दिखाई देने लगते हैं। इससे आम लोगों के मन में यह सवाल गहराता जा रहा है कि आखिर इन लोगों को संरक्षण कौन दे रहा है? क्योंकि हाल ही में उच्चाधिकारी का निरीक्षण के तुरंत बाद ही कुछ खास चेहरों की परिसर के अंदर मौजूदगी दिखने लगी है। यहां सबसे ज्यादा परेशानी दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। उन्हें न तो प्रक्रिया की पूरी जानकारी होती है और न ही दफ्तर के कामकाज की समझ। ऐसे में एजेंट आसानी से उन्हें अपने झांसे में लेकर मोटी रकम वसूल लेते हैं। कई लोगों का कहना है कि बिना दलालों के सहारे काम कराने की कोशिश करने वालों को कई बार लौटा दिया जाता है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर एआरटीओ कार्यालय में दलाली के इस कथित खेल पर वास्तव में लगाम कब लगेगी? क्या जिम्मेदार अधिकारी व्यवस्था को पारदर्शी बना पाएंगे या फिर आम जनता यूं ही पिसती रहेगी।

सम्पादकीय

लोककल्याणकारी दायित्व से पीछे हटती सरकार

एसआईआर के तहत मतदाता सूची से काटे गए लाखों नामों के बाद एक गंभीर आशंका बार-बार उठी कि क्या इन लोगों को नागरिक कहलाने का भी हक नहीं रहेगा। अब बिहार और बंगाल की भाजपा सरकारों ने इन आशंकाओं को सही साबित कर दिया है। बंगाल और बिहार की सरकारों ने कहा है कि जिनके नाम एसआईआर में कट चुके हैं, वे अपने राज्यों में सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने सोमवार को अपनी पहली कैबिनेट बैठक की, जिसमें उसने घोषणा की कि राज्य में पिछली सरकारों की सभी सामाजिक योजनाएं जारी रहेंगी, साथ ही टीएमसी के शासन में जिन केंद्रीय कार्यक्रमों को रोका गया था, वे अब उपलब्ध होंगे। हालांकि बैठक में तय हुआ कि न्यायाधिकरणों के समक्ष जिन मतदाताओं के मामले विचाराधीन हैं, उन्हें फैसला होने तक वही सुविधाएं मिलती रहेंगी। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'सरकार के सभी सामाजिक कार्यक्रम, चाहे वे 30 साल पहले शुरू हुए हों या 10 साल पहले, जारी रहेंगे। हालांकि, अब ये सभी योजनाएं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होंगी। किसी भी मृत व्यक्ति, अवैध घुसपैठिए या गैर-भारतीय व्यक्ति को राज्य के नागरिकों के लिए निर्धारित लाभों का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।इ

वहीं बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 'जिन लोगों के नाम बिहार की मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, वे राशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं सहित किसी भी सरकारी लाभ के हकदार नहीं होंगे।इ इसके बाद कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया के जरिए सवाल पूछा है कि एसआईआर के नतीजों के आधार पर बिहार और पश्चिम बंगाल सरकारों के अनुचित निर्णयों के बाद, निम्नलिखित प्रश्न उठता है:

क्या मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आधार नागरिकता है?

या

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना ही नागरिकता का आधार है?

सर्वोच्च न्यायालय को इस प्रश्न पर विचार करना चाहिए।

वैसे तो माननीय अदालत से उम्मीद है कि वह श्री चिदंबरम के उठाए सवालों पर तत्काल विचार करे। क्योंकि आजादी के बाद संविधान तैयार करने और वयस्क मताधिकार लागू करने के पीछे मंशा यही थी कि देश के हर नागरिक को उसका हक मिले। सरकार ने व्यवस्था की कि मतदाता सूची तैयार करने के लिए लोगों तक पहुंचा जाए, कोई भी व्यक्ति इस हक से वंचित न रहे। लेकिन एसआईआर के नाम पर बड़े पैमाने पर न केवल लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया है, बल्कि अब सरकार की लाभकारी योजनाओं का हक भी उनसे छीना जा रहा है। जिस तरह के दस्तावेज मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए मांगे गए हैं, उन पर पहले ही सवाल उठ रहे थे कि गरीब लोग इन्हें कैसे जुटा पाएंगे, उनके पास ले देकर आधार या राशन कार्ड ही मिलता है। अब जो कुछ आम नागरिकों के पास था, वो भी उनसे छीना जा रहा है। इस तरह तो लोककल्याणकारी सरकार की अवधारणा ही बदल जाएगी। मध्यमवर्ग या उच्च तबके की बेशक अपनी परेशानियां हैं।

दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट

-: ललित गर्ग:-

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ‘फामेसी ऑफ द वर्ल्ड’ कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक

प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

पिंजरे का तोता और रबर स्टैंप, सीबीआई को लेकर कई सवाल

सर्वमित्रा सुरजन

सीबीआई की निष्पक्षता और दबाव मुक्त होकर काम करने का सवाल पहली बार राहुल गांधी ने ही उठाया है, ऐसा नहीं है। बल्कि सीबीआई निदेशक की नियुक्ति हमेशा से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष की ओर से चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाना आने वाले दिनों में राजनीतिक और संवैधानिक बहस को और तेज कर सकता है और ऐसी बहस शायद अब देश के लिए जरूरी भी हो गई है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री मोदी को लिखी एक चिट्ठी से नयी सियासी हलचल खड़ी हो गई है। इस चिट्ठी में राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि नेता प्रतिपक्ष रबर की मुहर नहीं हो सकता। मतलब सरकार के हर फैसले को चुपचाप मान लें और उस पर कोई सवाल न उठाएं, यह संभव नहीं है। याद दिला दूं कि जब राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष चुना गया था, तब उन्होंने कहा था कि वे संसद में जनता की आवाज उठाएंगे और इस समय राहुल गांधी ठीक वही कर भी रहे हैं।

दरअसल मंगलवार को प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश की मौजूदगी में सीबीआई के नए निदेशक के चयन के लिए एक बैठक हुई। जिसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 'सरकार ने चयन प्रक्रिया को महज एक औपचारिकता बना दिया है। उन्होंने सीबीआई निदेशक के लिए 69 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड समय पर न मिलने और पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं और फिर एक पत्र लिखकर विस्तार से अपना विरोध दर्ज किया।

पत्र में राहुल गांधी ने लिखा, ' सीबीआई के अगले निदेशक की सिफारिश करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष के तौर पर लिख रहा हूं, ताकि मैं इसकी कार्यवाही को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकूं। आपकी सरकार ने भारत की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई का राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए बार-बार दुरुपयोग किया है। संस्था पर ऐसे कब्जे रोकने के लिए ही चयन समिति में विपक्ष के नेता को शामिल किया जाता है। अफसोस की बात है कि आपने इस प्रक्रिया में मुझे कोई भी सार्थक भूमिका देने से लगातार इनकार किया है। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद मुझे योग्य उम्मीदवारों की सेल्फ-अप्रेजल (स्व-मूल्यांकन) और 360-डिग्री रिपोर्ट देखने की अनुमति नहीं दी गई। मुझसे यह उम्मीद की जा रही थी कि मैं समिति की असल बैठक के दौरान ही पहली बार 69 उम्मीदवारों के मूल्यांकन रिकॉर्ड की समीक्षा कर लूं। प्रत्येक उम्मीदवार के इतिहास और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए इन रिकॉर्ड की विस्तृत समीक्षा करना बेहद जरूरी है।'

राहुल गांधी ने अपने पत्र में दावा किया कि जानकारी से जान-बूझकर वंचित रखने का यह काम यह सुनिश्चित करता है कि केवल सरकार का पहले से तय उम्मीदवार ही चुना जाए, जिससे पूरी कानूनी प्रक्रिया का मजाक उड़ता है। राहुल गांधी ने याद दिलाया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। उन्होंने पांच मई 2025 को अपनी असहमति दर्ज कराई थी, और उसके बाद 21 अक्टूबर, 2025 को एक निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए सुझाव दिए थे, जिस पर उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। राहुल गांधी ने आगे कहा कि चयन समिति को जरूरी जानकारी न देकर, सरकार ने इसे महज एक औपचारिकता बना दिया है। विपक्ष का नेता कोई रबर स्टैंप नहीं होता। इसलिए मैं इस पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया में हिस्सा लेकर अपने संवैधानिक कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता। मैं कड़े शब्दों में अपनी असहमति जता रहे हैं।

राहुल गांधी की चिट्ठी पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन जब भी जांच एजेंसियों का राजनैतिक इस्तेमाल करने का आरोप विपक्ष लगाता है, भाजपा 2013 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति आर एम लोढ़ा की टिप्पणी याद दिलाती है कि तब कोयला घोटाले की जांच में उन्होंने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। हालांकि भाजपा को याद रखना चाहिए कि सितंबर 2024 में दिल्ली शराब नीति घोटाले के आरोप में सीबीआई द्वारा दायर मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को को जमानत देते हुए न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने अपने फैसले में लिखा: 'कुछ समय पहले ही इस न्यायालय ने सीबीआई की कड़ी आलोचना करते हुए उसकी तुलना पिंजरे में बंद तोते से की थी। यह आवश्यक है कि सीबीआई इस धारणा को दूर करे कि वह पिंजरे में बंद तोता है। बल्कि, यह धारणा बननी चाहिए कि वह एक खुले तोते की तरह है।'देश विदेश समाचार

तो सीबीआई की निष्पक्षता और दबाव मुक्त होकर काम करने का सवाल पहली बार राहुल गांधी ने ही उठाया है, ऐसा नहीं है। बल्कि सीबीआई निदेशक की नियुक्ति हमेशा से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष की ओर से चयन

गंगा दशहरा मेले की तैयारियों में जुटा प्रशासन,धोपाप घाट का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

सुलतानपुर में आगामी पवित्र गंगा दशहरा पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। शनिवार को पुलिस अधीक्षक चारू निगम एवं जिलाधिकारी इन्द्रजीत सिंह ने थाना लम्भुआ में मेला कमेटी के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक के बाद दोनों अधिकारियों ने प्रसिद्ध धोपाप घाट का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गंगा दशहरा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

मेले में संभावित भारी भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। वहीं नदी में स्नान के दौरान किसी भी दुर्घटना से बचाव हेतु पर्याप्त संख्या में गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया।

घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को समय से दुरुस्त करने के भी निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि गंगा दशहरा पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह, उपजिलाधिकारी लम्भुआ, क्षेत्राधिकारी लम्भुआ सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

गैर इरादतन हत्या मामले में जेल में निरुद्ध आरोपी की जमानत खारिज

सुलतानपुर । गैर इरादतन हत्या के मामले में जेल में निरुद्ध आरोपी खादिम की जमानत अर्जी पर जिला जज सुनील कुमार की अदालत में बहस हुई। अदालत ने अपराध की गम्भीरता को देखते हुए आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दिया है।कोतवाली नगर के चुनहा करौंदिया देहात की रहने वाली वादिनी अफरोज बानो ने 23 जनवरी की घटना बताते हुए मुकदमा दर्ज कराया। आरोप के मुताबिक पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी खादिम,विलकिश बानो व तौकीर हुसैन एवं तीन अज्ञात लोग पुरानी रंजिश की वजह से उनके घर में घुस आए और हमला बोल दिया,जिससे उन्हें काफी चोटे आई। आरोप के मुताबिक आरोपियो की पिटाई के चलते हैदर अब्बास की मौत हो गई। मामले में नामजद आरोपी खादिम व अन्य को जेल भेजा गया था। मामले में जिला जज कोर्ट ने आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है।

NEET पेपर लीक पर गरजी बहुजन अधिकार सेना, राष्ट्रपति को भेजा आक्रोश पत्र युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अखंड भारत संदेश

सुलतानपुर। मेडिकल प्रवेश परीक्षा ठएएळ में सामने आए पेपर लीक प्रकरण को लेकर बहुजन अधिकार सेना सामाजिक संगठन ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन की ओर से महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी सुलतानपुर के माध्यम से भेजा गया।ज्ञापन में कहा गया कि लगातार सामने आ रही परीक्षा अनियमितताओं ने देश के करोड़ों छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। कठिन परिस्थितियों में वर्षों तक तैयारी करने वाले विद्यार्थियों का मनोबल टूट रहा है और शिक्षा व्यवस्था की

निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।संगठन के राष्ट्रीय कमांडर विजय राणा चमार ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाएं गरीब, दलित, पिछड़े और सामान्य परिवारों के मेहनती छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए तो युवाओं का विश्वास पूरी व्यवस्था से समाप्त हो सकता है।करोड़ों छात्रों की मेहनत पर माफियाओं का हमला ज्ञापन में आरोप लगाया गया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

सुलतानपुर । शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में माह मई के तृतीय शनिवार को तहसील सदर सभागार में बदले स्वरूप के साथ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारु निगम एवं मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह द्वारा जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान आज सभी अधिकारी प्रातः 10:14 बजे से अपराह्न 02:14 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आम जनमानस की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन आमजनमानस की सेवा के लिए है और प्रत्येक शिकायतकर्ता को सम्मानपूर्वक सुनना तथा उसकी समस्या का प्रभावी समाधान करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है जिलाधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व विभाग, विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा

कि सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग व बिजली विभाग से संबंधित प्राप्त हो रही हैं, अतः उनका प्रभावी एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि कार्य प्रणाली को पूर्णतः सिस्टमेटिक बनाया जाये तथा शिकायतों के समाधान हेतु बिजली विभाग का अलग काउण्टर भी स्थापित किया गया है, जिससे शिकायतकताओं को सुविधा मिल सके।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पिछले तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण की विभागवार समीक्षा की जायेगी तथा जिन मामलों में शिकायतकर्ता असंतुष्ट हैं, उनके समाधान की भी अलग से समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए जनसंतुष्टि के आधार पर अपनी रैंकिंग बेहतर करें तथा सभी विभागों को सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में शीर्ष पांच में लाने का प्रयास किया जाये।

जनसुनवाई में लापरवाही पर भड़के डीएम

-बिना परीक्षण आख्या भेजने वाले जिला व तहसील स्तरीय अधिकारियों को चेताया

अखंड भारत संदेश
बांदा। जिला प्रशासन में शिकायतों के निस्तारण में बरती जा रही ढिलाई और कागजी खानापूरी पर जिलाधिकारी अमित आसेरी ने कड़ा रुख अपनाया है। डीएम ने जनपद और तहसील स्तर के सभी अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अधिकारी अब अपने अधीनस्थों की रिपोर्ट को बिना जांचे-परखे सीधे उच्चाधिकारियों को फॉरवर्ड नहीं कर सकेंगे। ऐसा करना शासन की मंशा के खिलाफ है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी अमित आसेरी ने जारी आदेश में कहा कि अक्सर यह देखा जा रहा है कि जनसुनवाई और विभिन्न महत्वपूर्ण माध्यमों से मिलने वाली जनता की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। तहसील और जिला स्तर के अधिकारी बिना किसी जमीनी परीक्षण या जांच के, अपने नीचे के कर्मचारियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को हूबहू आगे बढ़ा देते हैं। इस सरसरी रवैये के कारण फरियादियों को न्याय नहीं मिल पा रहा है और शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं हो रहा है। भविष्य में खेल खत्म करने के लिए डीएम ने सभी अधिकारियों को नए और सख्त नियम लागू करने के निर्देश दिए हैं।किसी भी शिकायती प्रार्थना पत्र की जांच अब अनिवार्य रूप से शिकायतकर्ता की मौजूदगी में ही की जाएगी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता के बयान भी लिखित रूप में दर्ज किए जाएंगे ताकि पारदर्शिता बनी रहे। शिकायत का निस्तारण केवल कागजों पर नहीं होगा, बल्कि फरियादी से इस बात का फीडबैक भी लिया जाएगा कि वह कार्रवाई से संतुष्ट है या नहीं।कलेक्टर ने सभी जिला और तहसील स्तरीय अधिकारियों को चेताया है कि शासन स्तर से लगातार शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और पीड़ितों से फीडबैक लेने के निर्देश मिल रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कड़ाई से अनुपालन नहीं किया जा रहा है। डीएम अमित आसेरी ने सख्त लहजे में कहा कि जनसुनवाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी अधिकारी ने इन निदेर्शों के पालन में लापरवाही बरती या बिना मौके पर जाए आख्या भेजी, तो उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया मंडौर गौशाला का निरीक्षण

लापरवाही मिलने पर सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि व बीडीओ को कारण बताओ नोटिस जारी

चित्रकूटः जनपद में गौवंश संरक्षण एवं उनके कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुपालन में शनिवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मंडौर स्थित वृहद गौवंश आश्रय स्थल (गौशाला) का आकस्मिक निरीक्षण किया।
निरीक्षण के दौरान गौशाला परिसर में साफ-सफाई की स्थिति अत्यंत दयनीय पाए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए शासकीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित ग्राम विकास अधिकारी (सचिव) को तत्काल प्रतिकूल प्रविष्टि देने तथा संबंधित खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को

कारण बताओ नोटिस जारी करने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही विगत दिनों आई आंधी के कारण क्षतिग्रस्त हुए शेड को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए, ताकि गोवंश को धूप और मौसम की मार से बचाया जा सके।
पशुओं को प्राकृतिक छाया उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीएम ने गौशाला परिसर में वृहद पौधरोपण कराने को कहा। साथ ही पौधों की सुरक्षा के दृष्टिगत उनके चारों ओर करौंदा और बेरी जैसी कंटीली झाड़ियों की फेंसिंग (बाड़) लगाने के निर्देश दिए। पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के दौरान खंड विकास अधिकारी ने बताया कि पशुओं के लिए सोलर पैनल कनेक्शन के माध्यम से जल की व्यवस्था की जा रही है। डीएम ने परिसर में स्थापित सभी 16 सोलर लाइटों को तत्काल क्रियाशील करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से गौशाला में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का भी सघन अवलोकन किया तथा उन्हें निरंतर चालू रखने के निर्देश दिए।
कहा कि गौवंशों को समय पर चारा, शुद्ध पेयजल और चिकित्सा सुविधा मिलना सुनिश्चित किया जाए। निदेर्शों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। स्पष्ट किया गौवंश आश्रय स्थलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य होगी।

ज्ञानचंद शुक्ला बने राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा पार्टी के जिलाध्यक्ष

अखंड भारत संदेश
बांदा। समाजसेवी व राजनीतिक क्षेत्र में अपनी सहभागिता निभाने वाले भूत पूर्व सैनिक ज्ञानचंद शुक्ल (छापर वाले) निवासी स्वराज कॉलोनी बांदा को राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर उनके कार्यकर्ताओ और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई स उनके जिलाध्यक्ष मानोनयन होते ही शुभचिंतकों और समर्थकों ने उनका मुंह मीठा कराया और सभी लोगो ने बधाई और शुभकामना सन्देश भी दिया । इस अवसर पर मौजूद लोगो ने कहा कि ज्ञानचंद्र शुक्ल काफी समय से राजनीति से जुड़े है और समय समय पर जनहित के मुद्दे उठाते रहे है स ज्ञानचंद्र शुक्ल जमीनी व्यक्ति है तथा एक प्रखर वक्ता है उनके नेतृत्व मे राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा जैसी नई नवली पार्टी को मजबूती मिलेगी और वह बाँदा जिले मे इस पार्टी को नई बुलंदियों तक ले जा सकते है स बाँदा जनपद मे उनके नेतृत्व मे आरएएम पार्टी कि कुशल नीतियों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने मे मदद मिलेगी स पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ज्ञानचंद्र शुक्ल ने पार्टी नेतृत्व और पदाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि जो जिम्मेदारी उनको पार्टी ने दिया है उसका निर्वाहन पूरी निष्ठा, समर्पण तथा ईमानदारी से करेंगे स उन्होंने कहा कि पार्टी कि गाइडलाईन के अनुसार समाजहित मे गरीबो, जरूरत मंदो, उपेक्षित लोगो कि आवाज

बनकर उनकी समस्यायों के समाधान के लिए हमेशा संघर्षरत रहेंगे स उन्होंने आगे कहा कि अलंकार अग्निहोत्री संस्थापक आरएएम के एजेंडे के अनुसार पार्टी कि स्पष्ट नीतियों और विचारधारा को जन जन तक पहुंचाया जायेगा जिससे जिला संगठन को मजबूती मिल सके स साथ साथ पार्टी के आदेशानुसार वह हर बूथ 100 यूथ तैयार करने मे समर्थकों के साथ एक अभियान के तहत जल्द काम शुरू करेंगे जिससे पार्टी को आगामी उत्तर प्रदेश मे 2027 विधानसभा चुनाव मे मजबूती और अलग पहचान मिल सके। इस अवसर पर राजेश शुक्ला दिनेश चंद्र शुक्ला (लाला), एड. शिवदत्त त्रिपाठी, बद्री प्रसाद शुक्ल, एड. कमल यादव जी, नितेश तिवारी, आशीष शुक्ला, पंकज शुक्ला, सुशील गुप्ता संतसरन, कमलेश बाजपेयी जी, राजा दीक्षित राहुल सिंह, रणविजय सिंह, पंकज सिंह, आशुतोष, सरफराज खान सहित बड़ी संख्या मे सामाजिक कार्यकर्ता व क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

एनजीओ और स्वयं सहायता समूहों को सौंपा गया 28 गौशालाओं का संचालन

चित्रकूटः जनपद में संचालित 301 गोआश्रय स्थलों के बेहतर संचालन एवं गौवंश संरक्षण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। जिसके तहत जिले के 28 गोआश्रय स्थलों का संचालन आठ विभिन्न संस्थाओं, एनजीओ, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों एवं समितियों को सौंपा गया है। इसके तहत संबंधित संस्थाओं द्वारा गोवंशों के लिए हरा चारा, भूसा, पशु आहार और साइलेंज जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस व्यवस्था से गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार आएगा तथा संरक्षित गौवंशों की देखभाल और भरण-पोषण अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सकेगा। इसी प्रकार गोआश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोबर गैस एवं बायो गैस प्लांट स्थापित करने की भी योजना तैयार की गई है। साथ ही गोबर आधारित उत्पादों जैसे गोबर के लठ्ठे, वर्मी कम्पोस्ट, दीये, मूर्तियां और गमलों का निर्माण कराया जाएगा, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इसके अलावा गौवंशों के नस्ल सुधार के लिए भी विशेष अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। जिससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

बरगढ़ बनेगा जिले का पहला सोलर विलेज- डीएम

पीएम सूर्य घर योजना का शुभारंभ

चित्रकूटः जनपद की ग्राम पंचायत बरगढ़ को जिले का पहला ह्यसोलर विलेजह्ल बनाने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए शनिवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का शुभारंभ किया। यूपी नेडा (एनईडीए) तथा सीडीपी सोलर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग संचालित इस योजना का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि जिले की 350 ग्राम पंचायतों में से सबसे पहले बरगढ़ को पूर्ण सौर ऊर्जा युक्त गांव (सोलर विलेज) के रूप में विकसित करने के लिए चयनित किया गया है। जिसके तहत गांव के सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों को भी सोलर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा, ताकि पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हो सके। बताया कि जिले में अब तक 1300 घरों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं और बरगढ़ को पहली पूर्ण संतृप्त ग्राम पंचायत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की ताकि बाहर से होने वाले बिजली आयात को बंद किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में दो किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट की कुल लागत लगभग 1.30 रु लाख है। इसमें केंद्र सरकार की ओर से 90 हजार रु की सब्सिडी सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाएगी। इसके अलावा प्रशासन की ओर से 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट भी दी जा रही है। जिसके बाद लाभार्थी को केवल 27 हजार रु का भुगतान करना होगा। योजना के अंतर्गत 25 वर्ष की वारंटी और 10 वर्ष तक आसान ऋण सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने से उपभोक्ताओं को बढ़ते बिजली बिल और स्मार्ट मीटर संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। बताया कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर योजना से जोड़ने के लिए विशेष सर्वे भी कराया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में सबसे पहले पंजीकरण कराने वाले ग्रामीण नसीमुद्दीन को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित भी किया। इस मौके पर यूपी नेडा के जिला प्रभारी रजनीश कुमार पांडेय, कंपनी प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंदिर से आभूषण चुराने वाले को नहीं मिली जमानत

चित्रकूटः मंदिरों में भगवान की मूर्तियों के आभूषण चुराने के बाद अपनी दुकान में गलाने वाले आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र सत्र न्यायाधीश शेषमणि ने निरस्त कर दिया है।
जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि बीती 20 फरवरी को भरतकूप मंदिर के महंत लवलेश दास ने अपने मंदिर में मूर्तियों के जेवर चोरी किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह को गिरफ्तार करते हुए पूरे प्रकरण का खुलासा किया था। जिसमें बताया गया कि फतेहपुर जिले के खागा थाने के रामनगर कस्बे का निवासी कामता प्रसाद मौर्य चोरी किए गए आभूषणों को अपनी सराफा दुकान में गलाकर सिल्ली बनाता था और अच्छी कीमतों में बेचता था। आरोपी के पास से गिरफ्तारी के समय 22,000 रुपये नगद और चांदी की तीन किलो 310 ग्राम भारी सिल्ली भी बरामद हुई थी। जिसके बाद से आरोपी जेल में बंद है। अधिवक्ता के जरिए आरोपी ने न्यायालय सत्र न्यायाधीश शेषमणि के यहां जमानत प्रार्थना पत्र दिया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद सत्र न्यायाधीश ने आरोपी कामता प्रसाद मौर्य का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

जल जीवन मिशन की लापरवाही ने जल संकट को गहराया

अखंड भारत संदेश
बाँदा बदौसा। भीषण गर्मी के बीच नरैनी तहसील के बदौसा, बरछा ह्यबह्ल और दुबरिया गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। हालात इतने खराब हैं कि लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि चित्रकूटधाम जल संस्थान और जल जीवन मिशन की लापरवाही के कारण क्षेत्र की हजारों की आबादी भीषण जल संकट झेलने को मजबूर है। 35 हजार से भी अधिक लोग बूंद बूंद पानी को मोहताज है।
ग्रामीणों के अनुसार बदौसा, बरछा ह्यबह्ल और दुबरिया क्षेत्र में मीठे पानी का कोई स्थायी स्त्रोत नहीं है। नदी का पानी प्रदूषित और गंदा होने के कारण पीने योग्य नहीं बचा है। ऐसे में वर्षों पहले तत्कालीन सरकार द्वारा ग्राम तुर्रा में दो नलकूप स्थापित कर बदौसा क्षेत्र के लिए पेयजल आपूर्ति शुरू कराई गई थी, जिससे लोगों को राहत मिली थी। लेकिन अब ग्रामीणों का आरोप है कि जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने तुर्रा पुल के पास नमामि गंगे योजना की पाइप लाइन को जल संस्थान की मुख्य पाइप लाइन से जोड़ दिया है। इससे बदौसा क्षेत्र के हिस्से का पानी डायवर्ट हो रहा है और नियमित जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले सुबह पानी की सप्लाई होती थी, लेकिन अब दोपहर में अनियमित रूप से पानी छोड़ा जाता है।

पिछले चार दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे लोगों के सामने पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। महिलाएं और बच्चे दूर-दूर तक पानी की तलाश में भटकने को मजबूर हैं।
ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जलापूर्ति बहाल नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।
ग्रामीणों में प्रमुख रूप से संतोष कुशवाहा (पत्रकार एवं संयोजक, ब्लॉक बनाओ संघर्ष समिति बदौसा), शिव प्रसाद उर्फ शिवा (सहसंयोजक), इरफान अली, विजय यादव, विनीत रावत सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी बांदा से तत्काल हस्तक्षेप कर पेयजल आपूर्ति बहाल कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

डिलीवरी के बाद महिला की हुई मौत

अखंड भारत संदेश
बबेरू/बाँदा । बिसंडा थाना क्षेत्र के जरोहरा गांव में डिलीवरी के बाद महिला की हुई मौत, नवजात बच्ची की हालत गंभीर सीएससी बबेरू में भर्ती कराया गया। बिसंडा थाना क्षेत्र के जरोहरा गांव मे अपने मायके पर गर्भवती महिला पार्वती पत्नी इंद्रजीत उम्र करीब 23 वर्ष निवासी पुनाहुर की गांव जरोहरा में शुक्रवार की सुबह डिलीवरी के दौरान पार्वती की मौत हो गई, परिजनों के द्वारा महिला व महिला की नवजात बच्ची को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू पहुंचे, जहां पर डॉक्टर द्वारा महिला पार्वती को मृत घोषित कर दिया। वही नवजात बच्ची की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर द्वारा उपचार किया जा रहा है। वहीं डॉक्टरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्यवाही की गई है। वही डॉक्टर का कहना है कि महिला गर्भवती थी, ब्लड कम होने व पिलिया के लक्षण दिख रहे, मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पायेगा।

दबंग ने दी महिला को जान से मारने की धमकी

बांदा। थाना जसपुरा क्षेत्र के ग्राम गौरी कला निवासी एक महिला ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता रेनू देवी पत्नी पंकज विश्वकर्मा ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों द्वारा उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है।
शिकायत में कहा गया है कि प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपियों ने 13 मार्च 2026 की रात उनके घर पर हमला करने का प्रयास किया था। मामले में थाना जसपुरा में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी दबंग किस्म के व्यक्ति हैं और आए दिन धमकी देकर समझौता करने का दबाव बना रहे हैं।

चित्रकूट के राहुल तिवारी भारतीय सेना में धर्मगुरु जेसीओ पद पर चयनित

चित्रकूटः कर्वी क्षेत्र के कामदगिरि नगर निवासी राहुल तिवारी का भारतीय सेना में धर्मगुरु (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। राहुल तिवारी, राम भारत तिवारी के पुत्र हैं। उन्होंने हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं पूर्व मध्यमा तक की शिक्षा श्री राम संस्कृत महाविद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल की।
संस्कृत भाषा एवं धर्मशास्त्रों में विशेष रुचि और गहन अध्ययन के आधार पर उनका चयन भारतीय सेना में धर्मगुरु पद के लिए हुआ है। धर्मगुरु के रूप में वह सैनिकों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने के साथ-साथ उनका मनोबल बढ़ाने और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन करने की जिम्मेदारी निभाएंगे। उनकी सफलता पर परिजनों, गुरुजनों, ग्रामीणों एवं क्षेत्रीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। राहुल तिवारी ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान कामतानाथ, गुरुजनों तथा अपने माता-पिता को दिया है।

बारहवीं के टॉपर वैभव को एसडीएम ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश
मऊ (चित्रकूट)। बीते दिन सीबीएसई बोर्ड की 12वीं परीक्षा के घोषित परिणामों में मऊ स्थित योगीराज हंडिया बाबा पब्लिक स्कूल के छात्र वैभव निषाद ने 97.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में पहला स्थान हासिल किया है। वैभव की इस सफलता पर मऊ एसडीएम राम ऋषि रमन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने कार्यालय में बुलाकर सम्मानित किया है। वैभव ने कुल 500 अंकों में से 486 अंक अर्जित कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नगर पंचायत मऊ के वार्ड नंबर 5, यमुनानगर स्थित इंडियन बैंक के बगल में रहने वाले वैभव निषाद की इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोग और शुभचिंतक लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं। उनकी इस

वैभव एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ मौजूद एसडीएम मऊ राम ऋषि रमन

सफलता पर उप जिलाधिकारी मऊ राम ऋषि रमन ने वैभव को सपरिवार तहसील परिसर में बुलाकर सम्मानित किया एवं आगे की पढ़ाई के लिए उचित मार्गदर्शन देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मऊ एसडीएम राम ऋषि रमन ने वैभव के गुरु दिलीप सिंह को भी अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि छात्र की मेहनत के पीछे एक अच्छे गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एसडीएम राम ऋषि रमन ने कहा कि जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वैभव ने अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। उन्होंने छात्र को प्रदेश स्तर पर भी पहचान बनाने के लिए मेहनत जारी रखने की सलाह दी। साथ ही समाज में सकारात्मक योगदान देने और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर आगे बढ़ने का संदेश भी दिया। इस दौरान मऊ तहसीलदार रामसुधार, वैभव की माता सुशीला देवी, नाना पारस नाथ, मामा वेद प्रकाश, मनमोहन यादव सहित अन्य पारिवारिक सदस्य मौजूद रहे। वैभव ने जेईई मेन्स का भी एग्जाम 99.68 पर्सेंटाइल के साथ क्लियर किया है। अभी वो एडवांस के एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। एपीजे अब्दुल कलाम से प्रभावित वैभव इंजीनियर आईआईटी में जाकर इंजीनियर बनना चाहते हैं।

शी बोले- हम पार्टनर, क्या हैं इस दोस्ती के ग्लोबल मायने?

चीन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी नेता शी जिनपिंग और प्रथम महिला पेंग लियुआन को 24 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया है। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति के संबोधन में इस राजनयिक संकेत पर विशेष बल दिया गया, जहां उन्होंने दोनों महाशक्तियों के बीच संबंधों की सराहना की। ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के नागरिकों में आपसी सम्मान की गहरी भावना है और उन्होंने अपनी ऐतिहासिक राजकीय यात्रा की शुरूआत में मिले शानदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। अपने समकक्ष के साथ हुई उच्च स्तरीय चचाओं का जिक्र करते हुए 79 वर्षीय नेता ने कहा कि आज हमारी बेहद सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई। चीनी पक्ष द्वारा आयोजित राजकीय भोज में दोनों नेताओं के बीच सौहार्द स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां ट्रंप ने अपने शुरूआती भाषण में चीनी राष्ट्रपति को स्नेहपूर्वक मेरे मित्र कहकर संबोधित किया। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की वंशावली को संयुक्त राज्य अमेरिका की स्थापना तक खोजते हुए याद दिलाया कि कैसे चीन पहुंचने वाले शुरूआती अमेरिकी व्यापारियों को उनके मेजबानों ने नए लोग कहकर संबोधित किया

था। वैश्विक संदर्भ में आधुनिक साझेदारी को परिभाषित करते हुए, ट्रंप ने जोर दिया कि समकालीन संबंध विकसित होकर दुनिया के "सबसे महत्वपूर्ण" संबंधों में से एक बन गए हैं। अपने भाषण के समापन पर, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शी जिनपिंग और उनकी पत्नी को आगामी सितंबर में वाशिंगटन आमंत्रित करके निरंतर सहयोग जारी रखने की अपनी इच्छा को दोहराया।

भविष्य में आतिथ्य सत्कार के इस वादे के साथ राष्ट्रपति ट्रंप लगभग एक दशक बाद चीन लौटे। उनके आगमन ने गहन वैश्विक जांच के दायरे में आने वाली एक राजनयिक मुलाकात की शुरूआत की, जिसका केंद्र बिंदु पीपुल्स ग्रेट हॉल में भव्य समारोहों का प्रदर्शन था।

विशाल लाल कालीन पर हुए स्वागत समारोह के बीच, चीनी नेता शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पूरे सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया, जब हॉल में अमेरिकी राष्ट्रगान गूंज रहा था। रंग-बिरंगे पोमपोम लहराते स्कूली बच्चों की उत्साहपूर्ण जयकार ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया - यह स्नेह का एक सुनियोजित प्रदर्शन था, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और ताइवान की जटिलताओं पर केंद्रित शिखर सम्मेलन की एक सुखद प्रस्तावना थी। जैसे ही दोनों नेता औपचारिक विचार-विमर्श में आगे बढ़े, शी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय वर्तमान में "गहरे बदलावों" से गुजर रहा है। उन्होंने "थ्यूसीडाइड्स ट्रैप" के संबंध में एक मार्मिक चेतावनी जारी की, जो एक ऐतिहासिक सिद्धांत है जो बताता है कि उभरती और स्थापित शक्तियों के बीच टकराव अक्सर संघर्ष को जन्म देता है। स्थिरता पर आधारित संबंधों की वकालत करते हुए शी जिनपिंग ने जोर देकर कहा कि वाशिंगटन और बीजिंग को "प्रतिद्वंद्वियों के बजाय साझेदार" के रूप में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों शक्तियों के बीच "मतभेदों की तुलना में अधिक साझा हित" हैं और उन्होंने अपने साझा इतिहास में "एक नए अध्याय" की शुरूआत का आह्वान किया।

देर रात घरों में छापेमारी,पाकिस्तान सेना पर बलूच युवकों को उठाकर 'गायब' करने के नए आरोप लगे

बलूचिस्तान

बलूचिस्तान और कराची में जबरन गायब किए जाने के नए आरोप सामने आए हैं। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, परिवारों का दावा है कि पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने अलग-अलग देर रात की कार्रवाइयों में तीन युवकों को अगवा कर लिया।

बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, 18 वर्षीय उमर बलूच के रिश्तेदारों ने बताया कि 9 मई की तड़के केच जिले के दश्त कस्बे में उनके घर पर छापेमारी के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी), अंतर-सेवा खुफिया (आईएसआई) और सैन्य खुफिया (एमआई) से जुड़े सुरक्षाकर्मी इस अभियान में शामिल थे। उनका कहना है कि छापेमारी के बाद से उनके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

एक अन्य मामले में केच जिले के होशब निवासी 27 वर्षीय दंत सर्जन डॉ. जहीर को कथित तौर पर क्वेटा में हिरासत में लिया गया। उनके परिजनों के अनुसार, सीटीडी अधिकारियों के रूप में पहचाने गए सशस्त्र कर्मियों ने उन्हें 11 मई को तड़के लगभग 2 बजे ब्रूअरी रोड स्थित ईसा नगरी इलाके से हिरासत में लिया। उनके परिवार का कहना है कि तब से वे लापता हैं।

इसी बीच, कराची के लयारी इलाके में, 25 वर्षीय मोबाइल फोन तकनीशियन ताहिर के परिवार ने आरोप लगाया कि सीटीडी अधिकारियों ने 23 अप्रैल को तड़के छापेमारी के दौरान रेक्सर लाइन स्थित उनके आवास से उन्हें उठा लिया। परिजनों का दावा है कि उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है और तब से उन्होंने अपने परिवार से संपर्क नहीं किया है। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, तीनों लापता व्यक्तियों के परिवारों ने अधिकारियों से उन्हें ढूंढने और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में मदद करने की अपील की है।

बर्दाश्त नहीं...ओमान तट पर तिरंगे झंडे वाले जहाज हुए हमले को लेकर एक्शन मोड में आया भारत

ओमान

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 13 मई को ओमान तट पर भारतीय ध्वज वाले एक व्यापारिक पोत पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। अपने कड़े बयान में मंत्रालय ने इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों की निंदा की। अपनी गंभीर चिंताओं को उजागर करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, "कल ओमान तट पर भारतीय ध्वज वाले एक पोत पर हुआ हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि वाणिज्यिक जहाजों और आम नागरिकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालती हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

ओमान का आभार

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल द्वारा जारी बयान में पुष्टि की गई कि पोत पर सवार सभी भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

दक्षिणी लेबनान से एक दिन में किए 17 संचालन

ईरान

ईरान के सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के अनुसार, हिज्बुल्लाह ने बुधवार को दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैन्य ठिकानों, बलों और वाहनों को निशाना बनाते हुए 17 अभियान चलाए। प्रेस टीवी ने बताया कि इन अभियानों में आठ ड्रोन हमले, पांच मिसाइल या रॉकेट हमले, एक तोपखाना हमला और एक निर्देशित मिसाइल प्रक्षेपण शामिल थे। समाचार एजेंसी के अनुसार, हिज्बुल्लाह ने हमलों के दौरान दो "निम्र" सैन्य वाहन, दो मरकावा टैंक, एक बख्तरबंद वाहन और दो सैन्य बुलडोजर को निशाना बनाया।

समूह ने यह भी दावा किया कि उसके लड़ाकों ने हद्दाथा शहर के बाहरी इलाके के पास इजराइली सैनिकों पर पूर्व नियोजित विस्फोटकों के साथ-साथ "हल्के और भारी

हथियारों और तोपखाने की गोलाबारी" का उपयोग करके घात लगाकर हमला किया।

इस बीच, इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गुरुवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल के माध्यम से कहा कि "कुछ समय पहले, दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ सैनिकों के अभियान वाले क्षेत्र में एक संदिग्ध हवाई लक्ष्य की पहचान की गई, जिसकी ओर एक अवरोधक मिसाइल दागी गई।

सेना ने आगे कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार कोई सायरन सक्रिय नहीं किया गया। रक्षा बल (आईडीएफ) ने आगे कहा कि हाल के घंटों में कई घटनाओं में, हिज्बुल्लाह ने एक टैंक-रोधी मिसाइल और कई मोर्टार गोले दागे जो दक्षिणी लेबनान में उन क्षेत्रों के निकट गिरे जहां इजरायली सैनिक तैनात थे। सेना ने कहा, आईडीएफ के किसी भी जवान के घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच, हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम ने घोषणा की है कि समूह की सैन्य क्षमताएं पूरी तरह से लेबनान का घरेलू मामला है और इजरायल के साथ जारी संघर्ष के दौरान इसे सौदेबाजी की मेज पर नहीं रखा जाएगा।

अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, हिज्बुल्लाह प्रमुख ने इजरायली सैन्य दबाव के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि उनके लड़ाके लंबे समय तक चलने वाले टकराव के लिए तैयार हैं। कासिम ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि हम मैदान नहीं छोड़ेंगे। हम इसे इजरायल के लिए नरक बना देंगे। आंतरिक संप्रभुता पर यह कठोर रुख ऐसे समय में आया है जब लेबनान और इजरायल के बीच अस्थिर स्थिति लगातार और हिंसक संघर्षों से परिभाषित है। मई 2026 के मध्य तक, अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम, जो मूल रूप से 17 अप्रैल को शुरू हुआ था और बाद में बढ़ाया गया था, अब केवल कागजों पर ही मौजूद है।

अमेरिका-चीन दुश्मनी नहीं, साझेदारी करें- शी चिनफिंग

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के उनके समकक्ष शी चिनफिंग ने ईरान युद्ध और द्विपक्षीय व्यापारिक मतभेदों समेत कई मुद्दों पर बृहस्पतिवार को चर्चा शुरू की। ट्रंप ने इसे अब तक की सबसे बड़ी शिखर बैठक बताया। बीजिंग पहुंचने पर ट्रंप का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने बृहस्पतिवार को शी चिनफिंग के साथ अपनी पहली बैठक में कहा कि वह उनके साथ बड़ी चर्चा को लेकर उत्साहित हैं। बीजिंग स्थित ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में शी चिनफिंग के साथ वार्ता के दौरान ट्रंप ने अपने

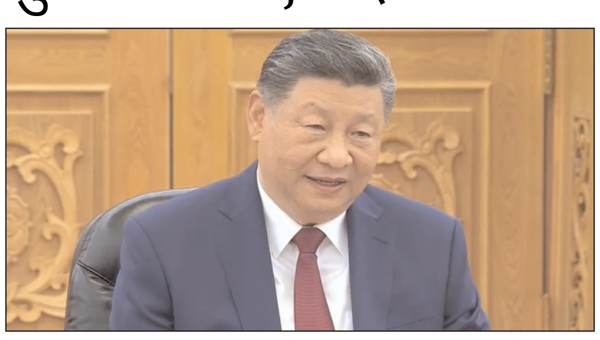

शुरूआती संबोधन में कहा, कुछ लोग कहते हैं कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन है।

यह नौ वर्षों में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली चीन यात्रा है। इससे पहले ट्रंप ने ही अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में चीन की यात्रा की थी। ट्रंप ने कहा, जब कठिनाइयां आईं, तो हमने उनका समाधान निकाला। तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर चीन पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमारा भविष्य साथ मिलकर शानदार होगा।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने शी चिनफिंग को कई बार महान नेता बताया। दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली। शी ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में सहयोग करना चाहिए तथा बड़ी शक्तियों के बीच बेहतर संबंधों का सही रास्ता खोजना चाहिए।

इधर ट्रंप-जिनपिंग की तस्वीर आई, उधर मोदी से मिलने पहुंचे ईरान-रूस के विदेश मंत्री

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिल रहे हैं। जिनपिंग से हाथ मिलाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जो बयान दिया वो भारत के लिए एक बड़े तूफान की चेतावनी हो सकता है। लेकिन जिस वक्त डोनाल्ड ट्रंप शी जिनपिंग के साथ टहल रहे थे उसी वक्त रूस के विदेश मंत्री सरगई लवरोव भारत पहुंच गए और बयान दे दिया कि हिंदी रूसी भाई-भाई। दिल्ली का पारा सिर्फ मौसम की वजह से नहीं

बल्कि हाई प्रोफाइल रणनीति की वजह से चढ़ा हुआ है। दुनिया की नजरें इस वक्त नई दिल्ली पर टिकी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने खड़े थे रूस के विदेश मंत्री सरगई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराची। लेकिन सवाल यह है कि आखिर युद्ध और वैश्विक तनाव के इस दौर में यह दिग्गज अचानक भारत क्यों खींचे चले आए? दरअसल ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक दिल्ली में शुरू हो चुकी है और माहौल अब और गमा गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इन मंत्रियों से मिलने पहुंचे। रूस, ईरान, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रियों के साथ पीएम मोदी की यह मुलाकात सिर्फ शिष्टाचार नहीं थी।

जयशंकर ने बताया भारत का फाइनल स्टैंड

पश्चिम एशिया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में कहा कि भारत फिलिस्तीन मुद्दे पर दो-राज्य समाधान का समर्थन करता है, साथ ही उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चिंता व्यक्त की। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि 28 फरवरी से खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण समुद्री यातायात और ऊर्जा अवसंरचना को खतरा शामिल है, नाजुक सुरक्षा माहौल को रेखांकित करता है। एएनआई के अनुसार, जयशंकर ने कहा, "पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जारी तनाव, समुद्री यातायात के लिए जोखिम और ऊर्जा अवसंरचना में व्यवधान स्थिति की नाजुकता को उजागर करते हैं। जयशंकर ने लेबनान, सीरिया, सूडान, यमन और लीबिया सहित क्षेत्र के अन्य हिस्सों में अस्थिरता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा लेबनान और सीरिया लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। सूडान में संघर्ष से भारी मानवीय क्षति हो रही है।

यमन में मानवीय चिंताएं और समुद्री जोखिम मौजूद हैं, जबकि लीबिया में स्थिरता महत्वपूर्ण बनी हुई है।

जयशंकर ने कहा कि इन संकटों से निपटने के लिए निरंतर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और राजनयिक जुड़ाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन सभी बातों से एक स्पष्ट वास्तविकता उजागर होती है: स्थिरता चुनिंदा नहीं हो सकती और शांति टुकड़ों में नहीं मिल सकती। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना, नागरिकों की रक्षा करना और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचना आवश्यक है। भारत तनाव कम करने के प्रयासों में रचनात्मक योगदान देने और स्थिरता बहाल करने के उद्देश्य से की गई ।

अब आपके नेतृत्व पर भरोसा नहीं

ब्रिटेन

ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने गुरुवार को सरकार से इस्तीफा दे दिया, उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा। स्ट्रीटिंग कैबिनेट के पहले सदस्य हैं जिन्होंने इस्तीफा दिया है। पिछले सप्ताह स्थानीय और क्षेत्रीय चुनावों में लेबर पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद स्टारमर पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्ट्रीटिंग ने अपना इस्तीफा पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि कीर स्टारमर के नेतृत्व में "विश्वास खो देने" के कारण अपने पद पर बने रहना अपमानजनक और सिद्धांतहीन होगा। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, स्ट्रीटिंग उन लोगों में शामिल हैं जो स्टारमर को पद से हटाने का प्रयास कर सकते हैं। अपने पत्र में स्ट्रीटिंग ने स्वास्थ्य सचिव के

रूप में अपनी उपलब्धियों को उजागर किया, जिसमें एनएचएस की प्रतीक्षा सूचियों में कमी भी शामिल है, लेकिन उन्होंने स्टारमर के नेतृत्व की आलोचना भी की। स्ट्रीटिंग ने लिखा कि "जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक खालीपन है। जहां हमें दिशा की आवश्यकता है, वहां हम दिशाहीन हैं।

ब्रिटेन में स्थिर अर्थव्यवस्था और उच्च उपभोक्ता मूल्य

ब्रिटेन में स्थिर अर्थव्यवस्था और लगातार उच्च उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति ने स्टारमर सरकार के लिए दो साल से भी कम समय पहले भारी चुनावी जीत के बाद किए गए वादों को पूरा करना मुश्किल बना दिया है। स्टारमर ने पद पर बने रहने का संकल्प लिया है और सांसदों को चेतावनी दी है कि नेतृत्व के लिए किसी भी तरह का संघर्ष सरकार को अराजकता में धकेल देगा, जबकि सरकार को महंगाई के संकट और मध्य पूर्व में युद्ध जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। स्टारमर की तरह ही स्ट्रीटिंग भी वामपंथी लेबर पार्टी के उदारवादी धड़े से आती हैं। लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, प्रधानमंत्री पद के किसी भी संभावित उम्मीदवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में पार्टी के 403 सदस्यों में से 81 सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित

सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक
अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:
9565333000

Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

तालिबान ने दिया भारत को अफगान-पाक बॉर्डर का ठेका, 46 मिलियन डॉलर की बड़ी डील!

अफगानिस्तान

जब पूरी दुनिया ने अफगानिस्तान को उसके हाल पर छोड़ दिया, जब पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भाई होने का ढोंग छोड़कर अफगानिस्तान की पीठ में छुरा घोंपा तब भारत ने एक ऐसा कदम उठाया जिसने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत और अफगानिस्तान के बीच 46 मिलियन डॉलर यानी करीब ?400 करोड़ की एक ऐसी ऐतिहासिक डील हुई है जो सिर्फ व्यापार नहीं बल्कि पाकिस्तान की दादागिरी का अंत है। आखिर अचानक भारत ने तालिबान शासित अफगानिस्तान के साथ इतनी बड़ी इतनी भयानक डील क्यों की जब पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ बॉर्डर बंद करके बैठा है। झड़पें हो रही हैं और अफगान परिवार भूखे प्यासे

परेशान है। तब भारत ने $6 मिलियन लगाकर यह कदम क्यों उठाया? पाकिस्तान ने तोरखम और स्पिन बोल्डक जैसे प्रमुख रास्तों को पूरी तरह से बंद कर रखा है। हजारों ट्रक सड़कों पर सड़ रहे हैं और अफगान किसानों के अंगूर, अनाज और सब्जियां मिट्टी में मिल रही है। पाकिस्तान की वजह से पाकिस्तान की सेना सीमा पर गोलीबारी कर रही है। मासूम अफगान परिवारों को जबरन उनके घरों से निकाल रही है और मासूम बच्चे दाने-दाने को मोहताज हैं। अब पाकिस्तान जो नापाक देश है उसका मकसद साफ है अफगानिस्तान को भूखा मारो उसे इतना कमजोर कर दो कि वो घुटने पर आ जाए। इतना ही नहीं विश्व खाद्य कार्यक्रम यानी डब्ल्यूएफपी चिल्ला चिल्ला कर कह रहा है कि अफगानिस्तान पर भारी दबाव है। लेकिन ऐसे नाजुक मोड़ पर भारत खामोश नहीं बैठा।

भारत ने नफरत का जवाब नफरत से नहीं बल्कि विकास और विश्वास से दिया है। अब बात करते हैं उस खबर की जिसने पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी है। भारतीय कंपनी टीसीआरसी ने अफगान नेशनल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी यानी एएनएसए के साथ एक मेगा कॉन्ट्रैक्ट डील साइन की है। अगले 5 सालों तक भारत अफगानिस्तान के काबुल समेत नौ सबसे महत्वपूर्ण बॉर्डर पॉइंट्स पर हाईटेक अत्याधुनिक लेबोरेटरीज यानी लैब्स का जाल बिछा देगा। अब तक अफगानिस्तान में जो भी सामान आता था या वहां से बाहर जाता था उसकी क्वालिटी जांचने का कोई पुख्ता सिस्टम था ही नहीं। अब भारत की तकनीक, भारत की टेक्नोलॉजी से वहां भोजन, दवाएं, कंस्ट्रक्शन, मटेरियल, टेक्सटाइल और बिजली के सामानों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होगी। भारतीय कंपनी सिर्फ मशीनें नहीं लगाएंगी बल्कि पूरे सिस्टम को जो बॉर्डर एरिया के हैं उनको अपग्रेड करेंगी। अफगान स्टाफ को ट्रेनिंग भी देंगी और उन्हें आईसीओ सर्टिफिकेशन तक लेकर जाएंगी। मतलब अब दुनिया का कोई भी देश अफगान माल को लो क्वालिटी कहकर रिजेक्ट नहीं कर पाएगा। भारत ने अफगानिस्तान के हाथों में वो ताकत की चाबी दे दी है जिससे वो दुनिया के बाजारों में अपनी शर्तों पर अब व्यापार करने उतर चुका है। वो खुद को मुस्लिम उमा का रहनुमा बताता है। सच्चाई यह है कि आज अफगानिस्तान के लिए सबसे बड़ा रोड़ा, सबसे बड़ा कांटा वही बना हुआ है। पाकिस्तान चाहता है कि अफगानिस्तान हमेशा उस पर निर्भर रहे, डिपेंडेंट रहे। लेकिन भारत ने चाबहार और अब इन लैब्स के जरिए पाकिस्तान के उस ट्रांजिट फ्रूट के घमंड को मिट्टी में मिला दिया है। एएनएसए के प्रमुख फैजुल्लाह तमीम साहब ने कैमरे पर आकर भारत का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने साफ कहा कि यह डील अफगानिस्तान को घटिया आयात से बचाएगी ।